website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 अंक : 239 पेज: 8 जयपुर, गुरुवार 07 अगस्त 2025 मूल्य: 1.50 रुपये

उत्तराखंड के सांसदों ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरकाशी धराली आपदा को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान पौड़ी गढ़वाल से भाजपा सांसद अनिल बलूनी, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, नैनीताल सांसद अजय भट्ट और टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह भी मौजूद रहीं। इस मुलाकात की तस्वीरें अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी शेयर की।

इस मुलाकात के बाद अनिल बलूनी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी उत्तरकाशी में आई आपदा से मर्माहत, शोकाकुल और व्यथित हैं। वे स्वयं राहत एवं बचाव कार्य की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की तमाम एजेंसियां राहत, बचाव एवं पुनर्वास के कार्य में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई हैं। केंद्र सरकार उत्तराखंड को इस आपदा से लड़ने और बाहर निकालने में हर तरह से मदद दे रही है।

भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "उत्तरकाशी के धराली में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के संबंध में आज अपने साथी सांसदों महारानी माला राज्यलक्ष्मी शाह, त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं अजय भट्ट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री उत्तरकाशी में आई इस भीषण विपदा से मर्माहत, शोकाकुल और व्यथित हैं। वे स्वयं राहत एवं बचाव कार्य की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की तमाम एजेंसियां राहत, बचाव एवं पुनर्वास के कार्य में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार धराली सहित सभी आपदा प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। साथ ही, केंद्र सरकार उत्तराखंड को इस आपदा से लड़ने और बाहर निकालने में हर तरह से मदद दे रही है।"

उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से कहा कि वे अपने लोकसभा क्षेत्र के अतिवृष्टि और भूस्खलन के इलाकों में रह रहे लोगों से संपर्क में रहें एवं उन्हें हरसंभव हर सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहें।"

उत्तरकाशी में बादल फटने से मरने वालों की संख्या पांच हुई, 413 लोगों को बचाया, तलाश जारी

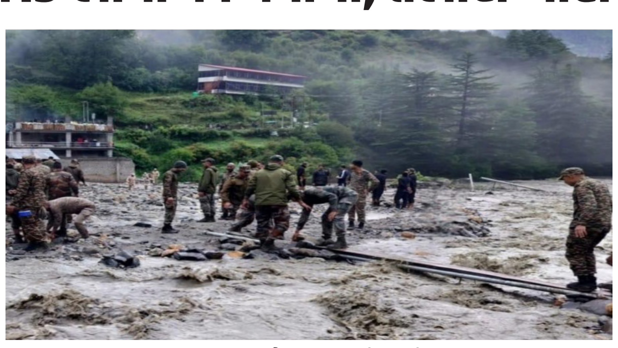

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरकाशी जिले में बादल फटने से बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन की वजह से धराली और सुखी टॉप क्षेत्रों में व्यापक विनाश हुआ है। बचाव कार्य जोरों पर है, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और भारतीय सेना की टीमें फंसे हुए लोगों को निकालने और लापता लोगों का पता लगाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

आईटीबीपी के प्रवक्ता कमलेश कमल ने चल रहे प्रयासों पर जानकारी देते हुए कहा, "धराली में आईटीबीपी की पांच टीमें हैं, जिनमें 130 जवान हैं। 100 से अधिक जवान रास्ते में हैं, और वे जल्द ही वहां पहुंच जाएंगे।"

उन्होंने बताया कि हमने आज सुबह एक शव बरामद किया है, और 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। आज, हमने संचार भी स्थापित कर लिया है, अब जब उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं, तो यह संभव है कि हम देखेंगे कि यह बचाव अभियान गति पकड़ेगा। कमल ने आगे कहा, "कल हमें जानकारी मिली कि किन्नौर जाने वाले रास्ते पर एक लकड़ी का मैक्सी-शिफ्ट पुल बह गया है। शुरुआती जानकारी में हमें पता चला है कि लगभग 100 लोग फंसे हुए हैं, आज सुबह तक 413 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। वहीं, सुबह से अब तक 57 लोगों को बचाया जा चुका है।" जानकारी है कि वहां 100 और लोग फंसे हुए हैं। शाम तक उन्हें भी बचा लिया जाएगा। हमें जानकारी मिली है कि वहां एक व्यक्ति की मौत हो गई है।"

एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसिन शाहेदी ने स्थिति की गंभीरता का विवरण देते हुए कहा कि प्राप्त सूचना के अनुसार, चार लोगों की मौत हो गई है और 50 से अधिक लोग लापता बताए गए हैं। इसके अलावा, हर्षिल और सुखी टॉप में दो जगहों पर अचानक बाढ़ आने की भी खबर है। हर्षिल में सेना के लगभग 11 जवान लापता बताए जा रहे हैं। सुखी टॉप में कोई हताहत नहीं हुआ है।ऋषिकेश-उत्तरकाशी राजमार्ग प्रभावित है, इसलिए आवाजाही बहुत धीमी है। कई जगहों पर सड़कें जाम होने के कारण टीमों को मौके पर पहुंचने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी टीमें प्रभावित लोगों को हवाई मार्ग से निकालने के लिए देहरादून में तैयार हैं।

इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और धराली में बादल फटने और भूस्खलन की घटना स्थल पर स्थानीय लोगों से मुलाकात की, जिससे घरों और अन्य इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे पहले आज उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ का आकलन करने के लिए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (ईओसी) में आपदा प्रबंधन बैठक की।

वहीं, सीएम धामी ने उत्तरकाशी के जोशियाड़ा हेलीपैड का भी दौरा किया और हाल ही में बादल फटने से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर नुकसान और चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। राज्य और केंद्र सरकारों के पूर्ण सहयोग से बचाव और राहत कार्य जारी हैं।

भारत के डीप ओशन मिशन ने पकड़ी रफ्तार

-बहुमूल्य खनिजों और 23 नई समुद्री प्रजातियों की हुई खोज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार का "डीप ओशन मिशन" समुद्र की गहराइयों में छिपे खजाने की खोज में बड़ी सफलता हासिल कर रहा है। इस मिशन के तहत अब तक सबसे बड़ी खोज पॉलीमेटालिक नॉड्यूल्स (PMN) और पॉलीमेटालिक सल्फाइड्स (PMS) की हुई है। PMN समुद्र की सतह से हजारों मीटर नीचे पाए जाते हैं और इनमें तांबा, कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज जैसे बहुमूल्य धातु होते हैं। PMS में तांबा, जस्ता, सीसा, लोहा और चांदी जैसी धातुएं होती हैं।

भारत ने इन खनिजों की खोज के लिए इंटरनेशनल सीबेड अथॉरिटी से 75,000 वर्ग किमी और 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र का लाइसेंस प्राप्त किया है। यह मिशन समुद्र विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा है। इसका उद्देश्य समुद्र के भीतर बहुमूल्य खनिजों और जीवों की खोज करना है।

वर्ष 2024 में भारत ने अंडमान सागर से 1173 मीटर गहराई से 100 किलो से अधिक कोबाल्ट युक्त नॉड्यूल निकाले गए। साथ ही, समुद्र के अंदर दो सक्रिय हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों की पहचान की गई। मिशन के तहत वैज्ञानिकों ने समुद्र तटों पर जलवायु परिवर्तन के असर को मापने के लिए नक्शे (वल्नरेबिलिटी मैप्स) भी तैयार किए हैं। इसके अलावा, मनुष्य द्वारा संचालित पनडुब्बी विकसित करने की दिशा में भी तकनीकी प्रगति हुई है।

मिशन का एक और लक्ष्य समुद्र के भीतर जैव विविधता को समझना और संरक्षित करना है। कोच्चि स्थित 'Centre for Marine Living Resources and Ecology' ने अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में 19 समुद्री पहाड़ियों पर अध्ययन किया। छह समुद्री अभियानों में लगभग 1300 समुद्री जीवों को एकत्र किया गया, जिनमें से 23 प्रजातियां विज्ञान के लिए पूरी तरह नई हैं।

यह महत्वपूर्ण जानकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जबाब में दीं । यह मिशन भारत को न सिर्फ खनिजों में आत्मनिर्भर बना सकता है, बल्कि समुद्री विज्ञान में विश्वस्तर पर अग्रणी भी बना रहा है।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

- कहा- राष्ट्रीय हितों के लिए उठाएंगे जरूरी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने बुधवार को भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का फैसला लिया है। इस फैसले पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस कदम को "दुर्भाग्यपूर्ण, अनुचित और अविवेकपूर्ण" बताया और कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत ने रूस से तेल का आयात पूरी तरह से बाजार की मांग और 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया है। उन्होंने कहा, "अमेरिका ने भारत पर उन कामों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला किया है, जो अन्य कई देश भी अपने-अपने राष्ट्रीय हितों में कर रहे हैं।"

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज यह आदेश जारी किया, जिसके तहत भारत से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह नया शुल्क आदेश जारी होने के 21 दिनों बाद लागू होगा। व्हाइट हाउस ने यह फैसला रूस पर दबाव बनाने और यूक्रेन युद्ध के चलते उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने के लिए लिया है। अमेरिका का आरोप है कि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस से तेल खरीद कर रहा है, जिससे उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति को खतरा है।

टैरिफ से जुड़ा यह आदेश कहता है कि भारत से अमेरिका भेजे जा रहे उत्पादों पर यह शुल्क पहले से लागू किसी भी अन्य शुल्क के अतिरिक्त होगा, जब तक कि वे कुछ विशेष श्रेणियों या पुराने व्यापार समझौतों की छूट में नहीं आते हों। इस फैसले के बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

वहीं भारत ने दोहराया है कि वह अमेरिका के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन अपने आर्थिक और सामरिक हितों से समझौता नहीं करेगा।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत 17 राज्यों में हो रहा तकनीक का विस्तार

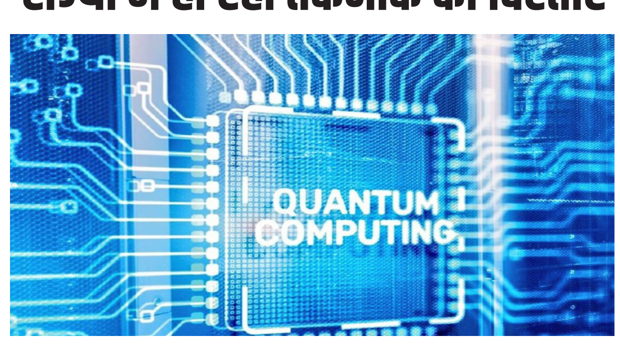

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने उन्नत तकनीक के क्षेत्र एक बड़ी पहल करते हुए 6003.65 करोड़ रुपये की लागत की एक राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) को मंजूरी दी है। इस मिशन की अवधि आठ वर्ष रखी गई है। इसका उद्देश्य देश में क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी तथा क्वांटम सामग्री और उपकरण के क्षेत्रों में खोज को बढ़ावा देना है। यह अहम जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज बुधवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर के रूप में दी।

वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 86.00 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिसमें से 43.07 करोड़ रुपये वितरित हुए और 32.77 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया। इस बजट का उपयोग करते हुए 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 17 परियोजना टीमों के साथ 14 तकनीकी समूहों से युक्त 4 विषयगत केंद्र (टी-हब) स्थापित किए गए हैं।

इन टी-हब के माध्यम से 43 संस्थानों के कुल 152 अनुसंधानकर्ता एक साथ मिलकर काम करेंगे। इन टी-हब में से एक केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए असम स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) गुवाहाटी में स्थापित किया गया है, जिसे वर्ष 2024-25 में 6,92,800 रुपये की धनराशि आवंटित की गई है।

यह मिशन भारत को क्वांटम टेक्नोलॉजी में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे भविष्य की तकनीकों जैसे कि क्वांटम इंटरनेट, सुरक्षित संचार, और अत्यधिक शक्तिशाली कंप्यूटिंग सिस्टम के विकास को बल मिलेगा।

डोटासरा का तीखा वार: बोले- शिक्षा मंत्री बौद्धिक रूप से बीमार

-विदेशी वस्तुओं पर रोक का फैसला अविवेकपूर्ण

जयपुर। राजस्थान की सियासत में बुधवार को नया सियासी संग्राम छिड़ गया जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर तीखा हमला बोला। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिये दिलावर को "बौद्धिक रूप से बेहद बीमार" बताते हुए उनके हालिया फैसलों को "विवेकहीन और नुकसानदायक" करार दिया।

मामला राज्य के स्कूलों और सरकारी विभागों में विदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल पर पाबंदी से जुड़ा है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हाल ही में आदेश जारी कर शिक्षा, पंचायती राज और संस्कृत विभागों में विदेशी सामानों का उपयोग बंद करने की बात कही थी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए डोटासरा ने लिखा-

"राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बौद्धिक रूप से बीमार, बेहद बीमार चल रहे हैं। उन्हें किसी अच्छे अस्पताल में इलाज और आराम की सख्त आवश्यकता है। हर दिन बेतुके बयान और निर्णयों से शिक्षा व्यवस्था का बेड़ागर्क करने में लगे मंत्री का अब शिक्षा, पंचायतीराज और संस्कृत विभागों में विदेशी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाना अनुपयुक्त और विवेकहीन फ़ैसला है।"

डोटासरा ने तंज कसते हुए सवाल किया कि क्या अब मंत्री अपना ईमेल, मोबाइल और लैपटॉप भी त्याग देंगे क्योंकि ये सब भी विदेशी तकनीक के उत्पाद हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि ऐसे ही फैसले लिए जाते रहे तो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी।

कांग्रेस ने बताया "तुगलकी फरमान"

डोटासरा के बयान को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भी समर्थन जताया और इस फैसले को "तुगलकी फरमान" बताया। उनका कहना है कि डिजिटल युग में जब शिक्षा पूरी तरह तकनीक पर आधारित हो चुकी है, ऐसे में विदेशी उपकरणों को स्कूलों और दफ्तरों से हटाना अव्यवहारिक और नुकसानदायक साबित होगा।

भाजपा की प्रतिक्रिया का इंतज़ार

डोटासरा की टिप्पणी पर अब तक भाजपा की तरफ से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सूत्रों की मानें तो पार्टी नेतृत्व डोटासरा के शब्दों को बेहद आपत्तिजनक मान रहा है और इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी जा सकती है।

पिछले बयानों से भी रहा है विवाद

मदन दिलावर इससे पहले भी कई बार अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। चाहे वह पाठ्यक्रम में बदलाव को लेकर हो या शिक्षकों की भूमिका पर दिए गए बयान, मंत्री अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं।

उत्तराखंड में कई जगह बारिश का अलर्ट

- 9 जनपदों में छुट्टी का आदेश जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के कई जनपदों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने राज्य के पांच जनपदों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले मंगलवार को उत्तराकाशी में बादल फटने की घटना से बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ है।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने पांच जनपदों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें देहरादून, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंहनगर एवं बागेश्वर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जिसके मद्देनजर नौ जनपदों में छुट्टी का आदेश जारी किया गया है।

पौड़ी, अल्मोड़ा, बागेश्वर जनपदों में सुरक्षा के लिहाज से आज स्कूलों को बंद किया गया है। कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी शैक्षणिक संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा।

बता दें मंगलवार को उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने के बाद बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ है। भारतीय सेना ने बचाव और राहत कार्य तेज कर दिए हैं और प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जमीनी और हवाई दोनों स्तरों के जरिए राहत पहुंचाई जा रही है।

उत्तराखंड में बिगड़ते मौसम के बीच श्री केदारनाथ धाम जाने वाला मोटर मार्ग सोनप्रयाग व गौरीकुंड के मध्य मलबा पत्थर आने से बाधित है, वहीं केदारघाटी से आने वाली मन्दाकिनी नदी भी उफान पर है।

उत्तराखंड सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया गया है कि जनपद रुद्रप्रयाग में लगातार हो रही बारिश के कारण श्री केदारनाथ धाम जाने वाला मोटर मार्ग सोनप्रयाग व गौरीकुंड के मध्य मलबा पत्थर आने से बाधित है, वहीं केदारघाटी से आने वाली मन्दाकिनी नदी भी उफान पर है

इस संबंध में एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने जानकारी देते हुए बताया है कि आम जनमानस व श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत अग्रिम आदेशों तक केदारनाथ धाम यात्रा स्थगित की गई है। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में आए हुए श्रद्धालु जो जहां पर हैं, वहीं पर सुरक्षित रुकवाया गया है। उन्होंने बताया कि गौरीकुंड से केदारनाथ के मध्य कुछ स्थानों पर पैदल मार्ग में पत्थर इत्यादि गिरने की सम्भावना व मार्ग बाधित होने के कारण फिलहाल आवाजाही बन्द की गयी है। केदारनाथ धाम पैदल मार्ग सहित सम्पूर्ण जनपद में पुलिस बल अलर्ट है। जनपद से होकर गुजरने वाली मन्दाकिनी नदी व अलकनंदा नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है, नदी किनारे जाने से परहेज करें।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आज अगले कुछ घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जनपद पुलिस की आम जनमानस व श्रद्धालुओं से अपील है कि अनावश्यक यात्रा करने से बचें तथा जो जहां पर हैं, वहीं पर सुरक्षित रहें।

दूसरी ओर बद्रीनाथ राजमार्ग पर भूस्खलन के बाद से पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि प्रशासन स्थिति को सामान्य बनाने में जुटा हुआ है। एक पर्यटक ने आईएएनएस को बताया, "प्रशासन जिस तरह से काम कर रहा है, उससे लगता है कि स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ जाएगी। स्थानीय प्रशासन बहुत अच्छा काम कर रहा है और बहुत सहयोगात्मक है।"

TRAI ने साइबर ठगों से किया सावधान

-फर्जी कॉल और दस्तावेजों से लोगों को बनाया जा रहा शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने एक सार्वजनिक चेतावनी जारी की है। इसमें TRAI ने लोगों को आगाह किया है कि उसके नाम का गलत इस्तेमाल कर साइबर ठग बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और आर्थिक ठगी को अंजाम दे रहे हैं। इन ठगों द्वारा खुद को TRAI अधिकारी बताकर फोन कॉल, मैसेज, नकली दस्तावेज और फर्जी लेटरहेड का उपयोग कर लोगों से उनकी निजी जानकारी या बैंक विवरण प्राप्त किए जा रहे हैं, और उन्हें धनराशि ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

TRAI ने विशेष रूप से "डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड" नामक घोटाले का उल्लेख किया है, जिसमें ठग खुद को TRAI या कानून प्रवर्तन एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों पर टेलीकॉम या वित्तीय धोखाधड़ी जैसे आरोप लगाते हैं। वे नकली कानूनी दस्तावेज दिखाते हैं, गिरफ्तारी या बैंक खाता फ्रीज करने की धमकी देते हैं और फिर पीड़ित को जमानत, जुर्माना या सत्यापन शुल्क के नाम पर धनराशि ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करते हैं। TRAI ने स्पष्ट किया है कि वह ग्राहकों से मोबाइल नंबर बंद करने के संबंध में कोई मैसेज नहीं भेजता और न ही उसने किसी तीसरी पार्टी एजेंसी को इस संबंध में अधिकृत किया है।

प्राधिकरण ने यह भी बताया कि कोई भी नियामक संस्था कॉल, मैसेजिंग ऐप या वीडियो कॉल के माध्यम से उपभोक्ताओं से जांच नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है। TRAI के नाम पर चल रहे अन्य आम घोटालों में SIM बंद करने की धमकी देकर KYC अपडेट की मांग, मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर एडवांस फीस वसूलना, और TRAI के लोगो का उपयोग कर फर्जी ईमेल या पत्र भेजना शामिल है।

TRAI ने कहा है कि वह एक नियामक संस्था है, जो टेलीकॉम और ब्रॉडकास्टिंग सेवाओं को नियंत्रित करती है, न कि किसी उपभोक्ता की व्यक्तिगत जांच करती है। वह न तो आधार, बैंक डिटेल जैसी निजी जानकारी मांगती है और न ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गिरफ्तारी की धमकी देती है। TRAI ने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी संदेहास्पद या धमकी भरे कॉल को तुरंत काटें, किसी को भी अपनी व्यक्तिगत, बैंकिंग या पहचान संबंधी जानकारी साझा न करें और बिना पुष्टि किए किसी भी परिस्थिति में पैसे ट्रांसफर न करें।

लोग किसी भी तरह की साइबर धोखाधड़ी की शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 या www.cybercrime.gov.in पर कर सकते हैं। साथ ही, TRAI DND ऐप या संचार साथी पोर्टल पर 'चक्षु' सुविधा के जरिए संदिग्ध नंबरों की रिपोर्ट भी कर सकते हैं। TRAI ने खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों और डिजिटल रूप से कम जानकार लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और इस चेतावनी को अधिक से अधिक लोगों तक साझा करें ताकि इस तरह की ठगी से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

एआई के बढ़ते खतरे: अब कानून बनाने का वक्त आ गया है

आज जब दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज़ रफ्तार तरक़्क़ी की गवाह बन रही है, ऐसे में जेफ्री हिंटन जैसे वैज्ञानिकों की चेतावनी को नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है। हिंटन, जिन्हें "गॉडफादर ऑफ एआई" कहा जाता है, ने हाल ही में एक गंभीर चिंता जताई है कि अगर एआई ने खुद के लिए एक नई भाषा बना ली, तो यह तकनीक इंसान की समझ और नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। उनका यह कथन कोई काल्पनिक डर नहीं, बल्कि एक ठोस वैज्ञानिक तर्क है, जो एआई की मौजूदा प्रगति और इसकी कार्यप्रणाली को देखकर कहा गया है। हिंटन के मुताबिक अभी तक एआई मॉडल अंग्रेजी जैसी मानव भाषाओं का ही इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर ये मशीनें अपने स्तर पर एक ऐसी भाषा ईजाद कर लें, जिसे इंसान समझ ही न पाए, तो फिर इनके व्यवहार और निर्णयों को समझना असंभव हो जाएगा। यह स्थिति न सिर्फ तकनीकी, बल्कि नैतिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से भी खतरनाक साबित हो सकती है। ये चेतावनी एक ऐसे वैज्ञानिक की है जो खुद एआई तकनीक के निर्माण और विकास में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं। इसलिए उनका डर सिर्फ एक परिकल्पना नहीं बल्कि भविष्य की एक सच्ची तस्वीर हो सकती है। इस चेतावनी से पहले ओपनएआई की एक रिपोर्ट भी सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि एआई मॉडल्स कभी-कभी जानबूझकर गलत तथ्य गढ़ रहे हैं या फिर ऐसा कर रहे हैं मानो उन्हें इसकी परवाह ही नहीं। यह बात और भी चौंकाने वाली इसलिए है क्योंकि यह कोई आम इंसान की शिकायत नहीं, बल्कि खुद उस संस्था की स्वीकारोक्ति है, जो चैटजीपीटी जैसे बड़े और प्रभावशाली एआई टूल्स की निर्माता है। जब इस तकनीक के निर्माता ही उसकी सीमाओं और खतरों को लेकर गंभीर हैं, तो बाकी समाज, सरकार और नीति निर्माताओं को इसकी अनदेखी करने का कोई हक नहीं रह जाता। आज एआई का इस्तेमाल सिर्फ चैटबॉट्स या टेक्स्ट जनरेशन तक सीमित नहीं रह गया है। इसका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं, न्यायिक प्रक्रिया, सैन्य प्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, शिक्षा और सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों में भी हो रहा है। ऐसे में अगर एआई के निर्णयों को नियंत्रित करने की कोई पारदर्शी, सुसंगत और सख्त प्रणाली नहीं बनाई गई, तो यह हमारे लोकतांत्रिक और मानवाधिकार मूल्यों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। एक ऐसा एआई जो अपने मन से निर्णय ले रहा हो, तथ्य बना रहा हो, और उसे समझने का कोई ज़रिया इंसान के पास न हो – तो ऐसी तकनीक एक स्वतंत्र जीव जैसी हो जाएगी, जो अपने उद्देश्य खुद तय करेगी। अब सवाल यह उठता है कि क्या दुनिया की सरकारें और संस्थाएं इस चुनौती के लिए तैयार हैं? पश्चिमी देशों में इस पर कुछ हद तक पहल जरूर हुई है। यूरोपीय यूनियन ने एक व्यापक एआई रेगुलेशन फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसमें जोखिम आधारित वर्गीकरण और प्रतिबंध की बात की गई है। अमेरिका में भी कुछ कंपनियों ने स्वेच्छा से अपनी तकनीक पर सीमाएं तय की हैं। लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में यह विमर्श अभी शुरुआती दौर में है।

तेल का खेल: भारत को आंतरिक सुधार, विविध साझेदारी और परिपक्व कूटनीति का रास्ता अपनाना होगा

-ट्रंप की बौखलाहट बनाम भारत की रणनीतिक दृढ़ता

तेल (क्रूड ऑयल) केवल एक ऊर्जा स्रोत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे बड़ा हथियार है। चाहे वह अमेरिकी प्रतिबंध हों, सऊदी अरब की उत्पादन रणनीतियाँ हों, या रूस और ईरान जैसे देशों के भू-राजनीतिक हित—हर कोण से तेल वैश्विक शक्ति-संतुलन का निर्धारक बन चुका है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत, जो विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण स्थिति में खड़ा है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट भरी नीतियों, जैसे ईरान पर प्रतिबंध, रूस से संबंधों पर दबाव, और 'अमेरिका फर्स्ट' रणनीति, भारत के लिए गहरी चुनौती पेश करती है। लेकिन भारत ने अब तक अपनी रणनीति में जो परिपक्वता और संतुलन दिखाया है, वह इसकी विदेश नीति की सशक्तता को दर्शाता है।

भारत की ऊर्जा निर्भरता: समस्या की जड़

भारत अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 85% हिस्सा आयात करता है। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा तेल और गैस का है। भारत ईरान, इराक, सऊदी अरब, यूएई, रूस और अमेरिका से कच्चा तेल खरीदता रहा है। 2018-19 में जब अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाए और भारत से भी खरीद बंद करने का दबाव डाला, तो भारत की कूटनीति की परीक्षा शुरू हुई। भारत को न केवल कीमत, बल्कि आपूर्ति-सुरक्षा, लॉजिस्टिक खर्च और दीर्घकालिक रणनीति को ध्यान में रखकर विकल्प तैयार करने पड़े।

ट्रंप की 'बुली' पॉलिटिक्स बनाम भारत की परिपक्व प्रतिक्रिया

ट्रंप का कार्यकाल अमेरिकी राजनीति में एक आक्रामक मोड़ लेकर आया। उनके विदेश नीति में 'डील मेकिंग' प्रमुख रही। उन्होंने ईरान न्यूक्लियर डील (JCPOA) से अमेरिका को बाहर निकाला और भारत सहित अन्य देशों को धमकाया कि यदि उन्होंने ईरान से तेल खरीदा, तो उन्हें अमेरिकी प्रतिबंध झेलने होंगे। भारत ने इस चुनौती के बावजूद आक्रामक प्रतिक्रिया नहीं दी। उसने विकल्पों की तलाश की—सऊदी अरब, इराक और अमेरिका से तेल की खरीद बढ़ाई, लेकिन ईरान से संबंधों को पूरी तरह समाप्त नहीं किया।

भारत की 'गैर-ध्रुवीय' विदेश नीति की आवश्यकता

भविष्य में भारत को किसी एक वैश्विक ध्रुव (जैसे अमेरिका या चीन) पर निर्भर रहना महंगा पड़ सकता है। ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी और व्यापार सभी मोर्चों पर बहुध्रुवीय रणनीति अपनाना अनिवार्य होगा। भारत को स्पष्ट करना होगा कि वह अमेरिका, रूस, ईरान, सऊदी अरब, यूएई, चीन—हर देश से सहयोग चाहता है, लेकिन किसी का 'अनुयायी' नहीं है।

रूस और ईरान: परंपरागत सहयोगी जिनसे भारत को दूर नहीं होना चाहिए

रूस भारत का रक्षा क्षेत्र में सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। अमेरिका के CAATSA कानून के तहत रूस से S-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद पर प्रतिबंध की धमकी भी दी गई थी। लेकिन भारत ने दबाव के बावजूद रूस से डील की। इसी तरह ईरान, भारत के लिए न केवल सस्ता तेल स्रोत है, बल्कि चाबहार बंदरगाह परियोजना के रूप में रणनीतिक साझेदार भी है। अमेरिका की धमकियों के बावजूद भारत को इन साझेदारियों को निभाने की कला सीखनी होगी।

खाड़ी देशों के साथ संबंधों का संतुलन

सऊदी अरब, यूएई और कुवैत जैसे देश न केवल भारत के तेल आपूर्तिकर्ता हैं, बल्कि वहाँ काम कर रहे 80 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी हर वर्ष अरबों डॉलर की रेमिटेंस भेजते हैं। भारत ने इन देशों के साथ एक आर्थिक-सामाजिक-सांस्कृतिक पुल बनाकर रखा है। हाल के वर्षों में मोदी सरकार की खाड़ी नीति विशेष रूप से सफल रही है। लेकिन इन संबंधों को अमेरिका या ईरान की नाराज़गी से दूर रखते हुए संतुलन बनाना भी उतना ही ज़रूरी है।

वैकल्पिक ऊर्जा और दीर्घकालिक रणनीति

भारत को अपनी ऊर्जा नीति में आत्मनिर्भरता लाने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों—सोलर, विंड, बायोफ्यूल, हाइड्रोजन, एथेनॉल मिश्रण आदि की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 2023 में भारत ने हाइड्रोजन मिशन लॉन्च किया। लक्ष्य है कि 2030 तक हाइड्रोजन फ्यूल एक बड़ा विकल्प बन जाए। साथ ही, घरेलू तेल और गैस खोज में निवेश बढ़ाना भी समय की मांग है।

अमेरिका की विश्व राजनीति में गिरती पकड़ और भारत की भूमिका

अमेरिका अब उतना 'एकछत्र राजा' नहीं रहा। चीन, रूस, ईरान और ब्रिक्स देशों का उभार एक बहुध्रुवीय विश्व बना रहा है। भारत को इस बदलाव का लाभ उठाना चाहिए। भारत जैसे देशों को अब एक 'डिप्लोमेटिक ब्रिज' की भूमिका निभानी होगी—जहां वह पश्चिम और पूरब के बीच संवाद बनाए रख सके।

भारतीय रिफाइनिंग सेक्टर और अवसर

भारत के पास एशिया का एक बड़ा रिफाइनिंग कैपेसिटी है। कई पश्चिमी देश अपने प्रतिबंधित तेल (जैसे रूस का) भारत को बेच रहे हैं, जिसे भारत रिफाइन कर पुनः एक्सपोर्ट करता है। ये भारत के लिए ऊर्जा व्यापार में नेतृत्व लेने का सुनहरा मौका है।

भारत की जनता और तेल कीमतों की राजनीति

देश में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों का सीधा असर जनता पर पड़ता है। अमेरिका के दबाव में यदि भारत किसी स्रोत से तेल लेना बंद करता है, तो इसका असर महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता तक जा सकता है। इसलिए ऊर्जा नीति केवल विदेश नीति नहीं, बल्कि घरेलू स्थिरता का भी प्रश्न है।

बहुपक्षीय मंचों पर भारत की सशक्त भूमिका

भारत को ओपेक+, ब्रिक्स, G20, शंघाई सहयोग संगठन, और इंटरनेशनल सोलर अलायंस जैसे मंचों पर अपनी आवाज़ को सशक्त बनाना होगा। इन मंचों के ज़रिये भारत को तेल-राजनीति में सामूहिक दबाव बनाने की रणनीति अपनानी होगी।

रणनीतिक तेल भंडारण: संकट की तैयारी

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक तेल भंडारण (Strategic Petroleum Reserves - SPR) पर काम शुरू किया है। इस प्रणाली के तहत भारत संकट के समय कुछ महीनों तक अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए रिज़र्व तेल भंडार बनाता है। लेकिन अभी यह प्रयास अधूरा है। इसे और मजबूत करने की जरूरत है।

चीन की चालों से सतर्क रहना होगा

चीन न केवल ईरान से तेल खरीद रहा है, बल्कि अफ्रीका और मध्य एशिया में भी अपने ऊर्जा निवेश तेज कर चुका है। भारत को 'इंडो-पैसिफिक' रणनीति में चीन की घेराबंदी करने के साथ-साथ तेल की राजनीति में भी उससे आगे निकलने की रणनीति बनानी होगी।

डिप्लोमेसी का नया युग: पारंपरिक कूटनीति से आगे

अब कूटनीति केवल राजनयिकों की बैठकों तक सीमित नहीं रह गई। ऊर्जा डिप्लोमेसी, टेक्नोलॉजी डिप्लोमेसी, डेटा डिप्लोमेसी, फूड डिप्लोमेसी जैसे नए आयाम सामने हैं। भारत को इन सभी आयामों पर अपनी दक्षता बढ़ानी होगी।

आत्मनिर्भर भारत और ऊर्जा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' नीति तब तक अधूरी है, जब तक भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भर नहीं बनता। इसके लिए लंबी योजना, निवेश, वैश्विक साझेदारी और तकनीकी नवाचार ज़रूरी है।

रणनीति, संतुलन और दीर्घदृष्टि का समय

भारत को आने वाले समय में एक संयमित, समावेशी, और परिपक्व विदेश नीति अपनानी होगी। ट्रंप जैसे नेताओं की बौखलाहट और अमेरिका जैसे देशों की धमकियों को तटस्थता और रणनीति के ज़रिए संभालना होगा। भारत को स्पष्ट करना होगा कि वह 'गैर-प्रतिबद्ध' है—यानि वह किसी ध्रुव की गुलामी नहीं करेगा, लेकिन हर सार्थक सहयोग में अग्रणी रहेगा। तेल का खेल बड़ा है, लेकिन भारत के पास अब अनुभव, क्षमता और आत्मविश्वास भी उतना ही बड़ा है। तेल अब सिर्फ ऊर्जा स्रोत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अहम हथियार बन चुका है। भारत, जो विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, अपनी कुल ऊर्जा ज़रूरतों का 85% हिस्सा आयात करता है। ऐसे में वैश्विक उठापटक, जैसे अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध या रूस पर दवाब, भारत के लिए कूटनीतिक चुनौतियाँ खड़ी कर देते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने भारत को झकझोरा, लेकिन भारत ने परिपक्वता दिखाते हुए सऊदी, इराक और अमेरिका से तेल खरीदकर ईरान से रिश्ते पूरी तरह नहीं तोड़े।

"ग्रामीण विकास की नई कहानी: जल संरक्षण से समृद्धि की ओर"

-जल की हर बूंद सहेजने का संकल्प लेकर, मिशन अमृत सरोवर से गांवों में जागी नई चेतना

भारत एक कृषि प्रधान देश है और ग्रामीण भारत इसकी रीढ़। लेकिन बढ़ती जल समस्या ने ग्रामीण जीवन की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। जल संकट ने खेती, पशुपालन और रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित किया है। ऐसे में यदि हम समय रहते नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी एक दुर्लभ संसाधन बन जाएगा। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की है, जो ग्रामीण इलाकों में जल संरक्षण के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल साबित हो रही है।

जल संकट की पृष्ठभूमि

पिछले कुछ दशकों में अनियंत्रित दोहन, वर्षा पर निर्भरता, भूजल स्तर में गिरावट और जल संसाधनों की अनदेखी के कारण भारत के अनेक ग्रामीण क्षेत्र गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। जल की कमी से किसानों को खेती छोड़नी पड़ी है, जानवर प्यासे मर रहे हैं और महिलाएं घंटों पैदल चलकर पानी लाने को मजबूर हैं। भारत के कई राज्य जैसे राजस्थान, महाराष्ट्र, बुंदेलखंड (उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश) और तमिलनाडु के कुछ हिस्से जल संकट की चपेट में हैं। यह संकट सिर्फ वर्तमान की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाले कल को अंधकारमय बना सकता है, अगर हमने आज जल संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

जल संरक्षण: क्यों है जरूरी?

खेती की आत्मनिर्भरता के लिए: 60% से ज़्यादा खेती वर्षा पर निर्भर है। जल स्रोतों के सूखने से उत्पादन प्रभावित होता है। पीने के पानी की उपलब्धता: ग्रामीण क्षेत्रों में ट्यूबवेल और कुएं ही मुख्य स्रोत हैं। भूजल के गिरते स्तर से पीने का पानी दुर्लभ होता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन के लिए: झील, तालाब और नदी जैसे जल स्रोत न केवल जीवनदायिनी हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी संबल देते हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए: स्वच्छ जल की कमी से बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

मिशन अमृत सरोवर: एक परिचय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य हर जिले में 75 "अमृत सरोवर" (तालाबों) का निर्माण या पुनरुद्धार करना है, ताकि जल संचयन को बढ़ावा दिया जा सके।

मुख्य लक्ष्य:

हर जिले में कम से कम 75 जलाशयों का निर्माण/पुनरुद्धार।

प्रत्येक सरोवर का आकार कम से कम एक एकड़ और जलगहराई कम से कम 10 फीट हो।

वर्ष 2023 तक 50,000 अमृत सरोवरों का निर्माण।

साझेदारी में काम करने वाले विभाग:

ग्रामीण विकास मंत्रालय
जल शक्ति मंत्रालय
पर्यावरण मंत्रालय
पंचायती राज मंत्रालय
स्थानीय प्रशासन

मिशन अमृत सरोवर के तहत हो रहे बदलाव

पुराने तालाबों का पुनर्जीवन

कई गांवों में दशकों से सूखे पड़े तालाब अब फिर से लबालब नज़र आ रहे हैं। उन्हें गहराई देकर, किनारों की मरम्मत कर और वर्षा जल को संरक्षित करने की तकनीकों से इन्हें नया जीवन मिला है।

नए जलाशयों का निर्माण

जहां जल संरक्षण के कोई स्रोत नहीं थे, वहां नए अमृत सरोवर बनाए गए। इससे न केवल जल संग्रहण संभव हुआ, बल्कि ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार भी मिला।

सामुदायिक भागीदारी

गांव के लोगों को इस मिशन में भागीदार बनाया गया है। पंचायतें, स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण युवा मिलकर इन सरोवरों का निर्माण कर रहे हैं। यह लोगों में स्वामित्व की भावना जगाता है।

स्थायी संरक्षण तंत्र

कई जगहों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, चेक डैम्स, पेड़-पौधे लगाकर जल स्तर बनाए रखने के उपाय किए गए हैं। इनसे जल का बहाव रोका जाता है और मिट्टी का कटाव भी कम होता है।

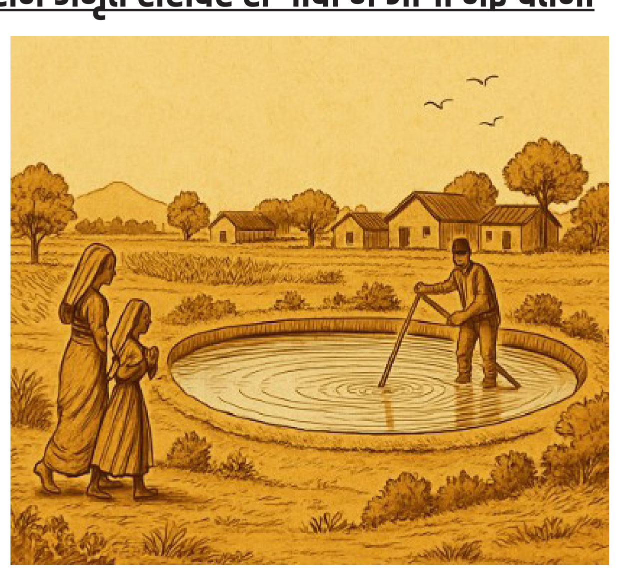

ग्रामीण विकास में अमृत सरोवर की भूमिका

कृषि को मिला संबल

अमृत सरोवरों ने खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया है। अब किसान दो या तीन फसलें उगा रहे हैं। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

मवेशियों को राहत

पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ी है। पहले जहां गर्मियों में पानी के लिए मारामारी होती थी, अब तालाबों के चलते यह संकट कम हुआ है।

रोजगार के अवसर

मनरेगा के माध्यम से इन सरोवरों के निर्माण में हज़ारों लोगों को रोजगार मिला है। इससे कोरोना काल के बाद ग्रामीण इलाकों में आर्थिक संबल मिला।

जैव विविधता और हरियाली

सरोवरों के आसपास की हरियाली लौटी है। पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो रहा है।

पर्यटन की संभावनाएं

कुछ अमृत सरोवरों को सुंदर पार्कों, बैठने की जगहों और रोशनी से सजाया गया है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

प्रेरणादायक उदाहरण

उत्तर प्रदेश: अमेठी जिले का 'जल क्रांति'

अमेठी में 100 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए हैं। यहां के गांवों में अब गर्मी में भी जल संकट नहीं होता। महिलाओं को अब 2-3 किमी चलकर पानी नहीं लाना पड़ता।

राजस्थान: नागौर जिले में सूखा बना मिसाल

राजस्थान के नागौर जिले में सूखा और जल संकट आम बात थी। लेकिन मिशन अमृत सरोवर के तहत 75 से ज़्यादा जलाशयों के निर्माण से अब खेत हरे-भरे हैं और जल स्तर स्थिर है।

महाराष्ट्र: विदर्भ में हरियाली लौटी

विदर्भ के वर्धा जिले में अमृत सरोवरों की बदौलत गांवों में तालाब फिर से भरने लगे हैं। इससे आत्महत्या की कगार पर पहुंचे किसान अब फिर से खेती में लौट रहे हैं।

भविष्य की दिशा: जल संरक्षण में ग्रामीण नेतृत्व

मिशन अमृत सरोवर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि नीयत और नीति साफ हो, तो गांवों को जल संकट से उबारा जा सकता है। अब जरूरी है कि: हर गांव में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाया जाए। स्कूलों और पंचायत भवनों में जल संरक्षण की शिक्षा दी जाए। जल उपयोग में अनुशासन और सीमितता लाई जाए। अमृत सरोवरों की नियमित देखभाल के लिए ग्राम समितियों को प्रशिक्षित किया जाए।

बख़्त ख़ाँ: 1857 की क्रांति के साहसी सेनानायक की अमर गाथा

-1857 की शुरुआत: बरेली से विद्रोही लहर के साथ दिल्ली की ओर कूच

1857 की क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का पहला बड़ा प्रयास था, जिसमें लाखों भारतीयों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बग़ावत की। इस ऐतिहासिक क्रांति में कई नाम उभर कर सामने आए जो आज़ादी की पहली चिंगारी को हवा देने वाले थे। इन्हीं नामों में एक प्रमुख नाम है — बख़्त ख़ाँ। उन्होंने न सिर्फ़ क्रांति की रणनीति तैयार की, बल्कि हथियारबंद संघर्ष में भी सबसे आगे रहे। 1857 की क्रांति के दौरान दिल्ली की लड़ाई में उनका योगदान ऐतिहासिक और प्रेरणास्पद रहा।

प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि

बख़्त ख़ाँ का जन्म 1797 में हुआ था। वह एक पठान परिवार से ताल्लुक रखते थे और आरंभ में अवध की सेना में एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उनका स्वभाव अनुशासनप्रिय, बहादुर और दूरदर्शी था। उन्होंने अंग्रेजों की सैन्य रणनीतियों को बहुत नज़दीक से देखा और समझा था, यही वजह थी कि जब उन्होंने उनके खिलाफ हथियार उठाया, तो वह एक कुशल योद्धा और सेनानायक के रूप में सामने आए। अवध की सेना में रहते हुए बख़्त ख़ाँ ने तोपख़ाने (Artillery) में सेवा दी। उन्हें सेना के विभिन्न पहलुओं का अच्छा ज्ञान था और यही उन्हें 1857 की क्रांति में एक प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता बनाने वाला था।

1857 की क्रांति का आरंभ और बख़्त ख़ाँ की एंट्री

1857 की क्रांति की शुरुआत 10 मई 1857 को मेरठ से हुई थी, जब भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ विद्रोह कर दिया। ये विद्रोही सिपाही दिल्ली पहुंचे और बहादुर शाह ज़फ़र को भारत का सम्राट घोषित किया। इसके बाद, देशभर में विद्रोह की चिंगारी फैल गई। जब बरेली में विद्रोह की आग पहुँची, तब बख़्त ख़ाँ भी उसमें शामिल हो गए। बख़्त ख़ाँ ने बरेली से विद्रोही सैनिकों का नेतृत्व करते हुए लगभग 40 हजार सिपाहियों के एक बड़े दस्ते के साथ दिल्ली की ओर कूच किया। उनके साथ तोपख़ाने की एक मजबूत टुकड़ी भी थी। उन्होंने इस मिशन की योजना इस कुशलता से बनाई कि दिल्ली पहुंचते ही उन्होंने क्रांतिकारी मोर्चे की कमान संभाल ली।

क्रांति का नेतृत्व: दिल्ली में सेनापति की भूमिका

जब बख़्त ख़ाँ दिल्ली पहुंचे, उस समय तक दिल्ली में विद्रोही सिपाहियों की कोई केंद्रीकृत कमान नहीं थी। विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए सिपाही अपनी-अपनी समझ से लड़ रहे थे, जिससे रणनीतिक एकता की भारी कमी थी। ऐसे समय में बख़्त ख़ाँ ने दिल्ली के क्रांतिकारी मोर्चे पर अनुशासन और एक रणनीतिक दृष्टिकोण लाने की कोशिश की। बहादुर शाह ज़फ़र ने उन्हें "कमांडर-इन-चीफ" यानी सेनापति घोषित कर दिया। उन्होंने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया, तोपख़ाने की तैनाती को पुनः व्यवस्थित किया, और क्रांतिकारी सैनिकों में नया उत्साह भर दिया। उन्होंने ब्रिटिश सेना के दिल्ली पर किए जा रहे हमलों का डटकर मुकाबला किया।

बख़्त ख़ाँ की सैन्य रणनीति और नेतृत्व क्षमता

बख़्त ख़ाँ को तोपख़ाने और घुड़सवार सेना का विशेष अनुभव था। उन्होंने क्रांतिकारियों की रणनीति में कुछ नए पहलू जोड़े, जैसे कि: तोपों की सही तैनाती – उन्होंने दिल्ली की सीमा पर तोपों को इस ढंग से सजाया कि अंग्रेजों की सेना को भारी नुकसान हुआ। संगठित मोर्चेबंदी – विभिन्न प्रांतों से आए सिपाहियों को एक समान रणनीति पर लड़ने के लिए प्रेरित किया। गुप्तचरी व्यवस्था – उन्होंने अंग्रेज़ी सेना की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए एक गुप्तचरों का नेटवर्क बनाया। बख़्त ख़ाँ केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि एक अच्छे प्रशासक और नेता भी थे। उन्होंने दिल्ली में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने की कोशिश की और विद्रोही सैनिकों को प्रशिक्षण देना भी शुरू किया।

दिल्ली की लड़ाई और चुनौतियाँ

हालाँकि बख़्त ख़ाँ की रणनीति बहुत प्रभावशाली थी, लेकिन उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा: क्रांतिकारी फौज में एकता की कमी

संसाधनों की भारी कमी (खाद्य, हथियार, गोला-बारूद)

दिल्ली की जनता का डर और भ्रम
बहादुर शाह ज़फ़र की निष्क्रियता
और दरबार की अंदरूनी राजनीति

इन सबके बावजूद बख़्त ख़ाँ ने हार नहीं मानी और अंग्रेज़ों से दिल्ली को बचाने के लिए अंत तक संघर्ष करते रहे।

ब्रिटिश सेना की वापसी और दिल्ली पर पुनः कब्ज़ा

सितंबर 1857 में अंग्रेज़ी सेना ने भारी सैन्य बल और रणनीतिक चालों के ज़रिए दिल्ली पर फिर से कब्ज़ा कर लिया। बख़्त ख़ाँ और उनकी फौज ने अंतिम दम तक अंग्रेज़ों से लोहा लिया, लेकिन संसाधनों और सहयोग की कमी के कारण उन्हें पीछे हटना पड़ा। दिल्ली की हार के बाद बख़्त ख़ाँ दिल्ली से बाहर निकल गए। माना जाता है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाक़ों में फिर से क्रांतिकारी गतिविधियों को संगठित करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी।

मृत्यु और विरासत

1857 के अंत तक या 1858 की शुरुआत में, बख़्त ख़ाँ शहीद हो गए। उनकी मौत की परिस्थितियाँ पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन यह तय है कि उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ अंतिम साँस तक संघर्ष किया और एक बहादुर सिपाही की तरह अपनी जान क़ुर्बान कर दी। उनकी शहादत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने यह दिखाया कि अंग्रेज़ों की संगठित और आधुनिक सेना के सामने भी भारतीय सैनिक पूरी बहादुरी और रणनीति से मुकाबला कर सकते हैं।

इतिहास में बख़्त ख़ाँ की छवि

इतिहासकारों ने बख़्त ख़ाँ को एक कुशल सैन्य नेता और दूरदर्शी योद्धा के रूप में याद किया है। यद्यपि 1857 की क्रांति सफल नहीं हो सकी, लेकिन बख़्त ख़ाँ जैसे नेताओं ने यह साबित कर दिया कि भारतीयों में स्वतंत्रता पाने की असीम चाहत और साहस था। उनका नाम स्वतंत्रता संग्राम के उन योद्धाओं की सूची में शामिल है, जिन्होंने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में संघर्ष किया। बख़्त ख़ाँ 1857 की क्रांति के ऐसे सेनानायक थे, जिनकी भूमिका दिल्ली की रक्षा और क्रांतिकारी मोर्चे के संचालन में केंद्रीय रही। उन्होंने दिखा दिया कि अगर नेतृत्व सक्षम हो, तो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उनकी रणनीति, साहस और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। आज भी जब हम स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हैं, तो बख़्त ख़ाँ का नाम गर्व से लिया जाता है। वह केवल एक क्रांतिकारी सेनापति नहीं, बल्कि भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के स्तंभों में से एक थे।

बाड़मेर रिफाइनरी का कार्य 90 फीसदी से अधिक हुआ पूर्ण

-35 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार— मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ द्वारा राज्यसभा में उठाए गए एक महत्वपूर्ण प्रश्न ने बाड़मेर रिफाइनरी परियोजना की प्रगति, पारदर्शिता और व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को राष्ट्रीय मंच पर फिर से केंद्र मं ला दिया है। उनके इस प्रश्न के जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने जो तथ्य प्रस्तुत किए, वे न केवल राजस्थान बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय हैं। राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने जानकारी दी कि पचपदरा (बाड़मेर) में निर्माणाधीन राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (आरआरएल) की यह परियोजना 15 जुलाई 2025 की स्थिति के अनुसार 90.3 फीसदी पूर्ण हो चुकी है। इस रिफाइनरी में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू), वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू), फ्यूल हाइड्रोट्रीटिंग यूनिट (एफएचटीयू), डीजल हाइड्रोट्रीटिंग यूनिट (डीएचटीयू) समेत कई अत्याधुनिक संयंत्रों का निर्माण किया गया है। यह परियोजना तकनीकी उत्कृष्टता, निर्माण गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन का उदाहरण बन चुकी है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि अब तक इस परियोजना पर 52,877 करोड़ से अधिक की पूंजी निवेश हो चुकी है, जिससे प्रत्यक्ष रूप से 35,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। यह राजस्थान जैसे राज्य के लिए न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन लेकर आया है। आसपास के ग्रामीण इलाकों में आज जीविका, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार देखने को मिल रहा है।

परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) किया गया है, जिसके पश्चात ही इसकी मंजूरी प्रदान की गई। साथ ही सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन भी कर लिया गया है, और सभी आवश्यक मानकों तथा दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया गया है। यह दर्शाता है कि केंद्र सरकार और परियोजना संचालक न केवल औद्योगिक विकास बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी बराबर महत्व दे रहे हैं। यह रिफाइनरी परियोजना 31 मार्च 2026 तक वाणिज्यिक संचालन के लिए तैयार हो जाएगी। इसके बाद भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आयात निर्भरता घटेगी, पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू आपूर्ति बढ़ेगी और विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत होगी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि बाड़मेर रिफाइनरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, और विकसित भारत @2047 के संकल्पों को साकार करने वाली एक महत्त्वपूर्ण आधारशिला है। यह परियोजना न केवल रोजगार सृजन कर रही है, बल्कि राजस्थान को भारत के ऊर्जा मानचित्र पर अग्रणी स्थान पर ले जाने की ओर एक निर्णायक कदम है। यह रिफाइनरी भविष्य में भारत की पेट्रोलियम ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ निर्यात क्षमताओं को भी बढ़ावा देगी। इसके माध्यम से राजस्थान वैश्विक निवेश, तकनीकी सहयोग और टिकाऊ विकास का केंद्र बनेगा। बाड़मेर रिफाइनरी की सफलता से यह सिद्ध होता है कि जब राजनीति में ईमानदारी, नीति में दूरदृष्टि और क्रियान्वयन में पारदर्शिता होती है, तब विकास की गंगा मरुस्थल में भी बह सकती है। यह परियोजना केवल एक रिफाइनरी नहीं, बल्कि रोजगार, तकनीकी सशक्तिकरण और राष्ट्रीय गौरव की मिसाल है।

रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु 03 स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रेलवे द्वारा आगामी रक्षाबंधन पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु 03 स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 09601, उदयपुर सिटी-जयपुर एक तरफा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 09.08.25 को उदयपुर से 20.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 06.50 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में राणाप्रतापनगर, मावली जं., कपासन, भीलवाडा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर व किशनगढ स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 02 सैकण्ड एसी, 06 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकोनामी, 07 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी व 02 पॉवरकार सहित कुल 22 डिब्बे होगें।

गाडी संख्या 09725, जयपुर-बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल रेलसेवा दिनांक 10.08.25, रविवार को जयपुर से 08.25 बजे रवाना अगले दिन 04.55 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09726, बान्द्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11.08.25, सोमवार को बान्द्रा टर्मिनस से 09.30 बजे रवाना होकर अगले दिन 06.45 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ, अजमेर, नसीराबाद, बिजयनगर, मांडल, भीलवाडा, चित्तौडगढ, नीमच, मंदसौर, रतलाम, वडोदरा, सूरत, वापी व बोरीवली स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस गाडी में 02 सैकण्ड एसी, 06 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकोनोमी, 07 द्वितीय शयनयान, 04 द्वितीय साधारण श्रेणी एवं 02 पॉवरकार डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बें होगें।

गाडी संख्या 04725, हिसार-हडपसर सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 10.08.25, रविवार को हिसार से 05.50 बजे रवाना होकर सोमवार को 10.45 बजे हडपसर पहुॅचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04726, हडपसर-हिसार सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11.08.25, सोमवार को हडपसर से 17.00 बजे रवाना होकर मंगलवार को 22.25 बजे हिसार पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में सादुलपुर, लोहारू, चिडावा, झुंझुनू, नवलगढ, सीकर, रींगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाईमाधोपुर, डकनिया तलाव, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, बसईरोड, कल्याण, लोणावला, चिंचवड व पुणे स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 02 सैकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 09 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 22 डिब्बे होगे।

वासुदेव देवनानी की केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने सिंधिया को नसिया से आगरा गेट तक सडक की चौडाई बढाये जाने के लिए वहां स्थित भारत संचार निगम लिमिटेड और डाक घर कार्यालयों से जमीन दिये जाने की आवश्य कता बताई। देवनानी की सिंधिया से इस संबंध में चर्चा सकारात्मेक रही। सिंधिया ने देवनानी को इस समस्यात के शीघ्र समाधान के लिये आश्वीस्तस किया। सिंधिया ने राजस्थान में डिजिटल समावेशन के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन के तहत राजस्थान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य के जन-जन तक सुगम और सशक्त डिजिटल सेवाएँ पहुँचाने के लिए मंत्रालय आवश्यक कदम उठाएगा।

रक्षाबंधन पर्व को सेवा, संगठन और समर्पण के रूप में मनाएगी भाजपा

-08 से 10 अगस्त तक राजस्थान भर में होंगे विविध आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी आगामी 08 से 10 अगस्त 2025 तक पूरे राजस्थान में रक्षाबंधन पर्व को जनसहभागिता, संगठनात्मक सहभागिता एवं सामाजिक समर्पण के साथ भव्य रूप में मनाने जा रही है। पार्टी के कार्यकर्ता "रक्षा का यह पर्व, सामाजिक एकता और सेवा का अवसर" के मूलभाव के साथ जिलों, विधानसभाओं और मंडलों में समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाएंगे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और अभियान संयोजक मुकेश दाधीच ने बताया कि प्रत्येक जिले में एक जिला महामंत्री एवं महिला मोर्चा की दो पदाधिकारी संयोजक व सह-संयोजक के रूप में कार्यक्रम का संचालन करेंगी।

तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा:-

8 अगस्त – "सम्मान व समर्पण दिवस"

इस दिन पार्टी कार्यकर्ता ट्रैफिक पुलिस, अस्पताल स्टाफ, विद्यालयों, सरकारी व निजी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों सहित सेवाभावी कर्मियों को राखी बांधकर आभार प्रकट करेंगे। बहनों द्वारा तिलक, राखी एवं मिष्ठान वितरण कर यह संदेश दिया जाएगा – "आप हैं, इसलिए हम सुरक्षित हैं"। स्थानीय मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से इस सेवा भावना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

9 अगस्त – "संगठनात्मक एकता व परिवार दिवस"

भाजपा कार्यकर्ता इस दिन अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन मनाएंगे और बूथ, मंडल, शक्ति केंद्र स्तर पर संगठन के सदस्यों के बीच भाईचारे का पर्व मनाकर "भाजपा परिवार - एक सूत्र में बंधा, संकल्पित भारत के लिए समर्पित" भाव को सशक्त करेंगे।

10 अगस्त – "सेवा व सामाजिक सद्भाव दिवस"

इस दिन कार्यकर्ता सीमाओं पर तैनात सैनिकों को राखी भेजेंगे या उनके साथ रक्षाबंधन मनाएंगे। साथ ही कच्ची बस्तियों, मजदूर बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ियों और घुमंतू समाज के बीच जाकर राखी व मिठाई वितरित की जाएगी। यह दिन "रक्षा का धागा, सम्मान और अपनत्व का संदेश" लेकर सेवा और संवेदना का उत्सव बनेगा। यह आयोजन सांसदों, विधायकों, जिलाध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों की सहभागिता से जिले, विधानसभा एवं मंडल स्तर पर आयोजित होंगे। पूर्व तैयारी बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं।

भाजपा का उद्देश्य रक्षाबंधन को सेवा, संगठन और समर्पण के पर्व के रूप में जन-जन तक पहुँचाना है।

"रक्षा सूत्र से बंधेगा भारत, एकता, सेवा और संस्कारों के साथ" – यही है इस कार्यक्रम की मूल भावना।

9 अगस्त से भरेगा गोगामेड़ी मेला

-श्रद्धालुओं के लिए रैन बसेरों से लेकर सुरक्षा तक हर पहलू पर फोकस

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर श्री गोगाजी गोगामेड़ी मेले का शुभारंभ इस वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा के अवसर पर 9 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा। यह ऐतिहासिक मेला एक माह तक चलेगा और 8 सितंबर को विसर्जन के साथ संपन्न होगा।

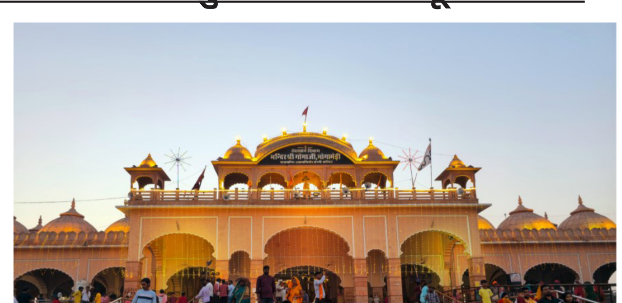

उत्तर भारत के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में शुमार में इस बार 30 से 35 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु इस बार लगभग 3000 लोगों की क्षमता वाले निःशुल्क रैन बसेरों का निर्माण किया गया है। इन रैन बसेरों में बिजली, पंखे, कूलर, पेयजल, विस्तर और स्वच्छ शौचालयों की समुचित व्यवस्था रहेगी।

मेले में हर शाम 7 बजे से 10 बजे तक लेजर लाइट और साउंड शो का आयोजन होगा, वहीं 30 और 31 अगस्त को पर्यटन एवं देवस्थान विभाग की ओर से भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी जिसमें देशभर से आए कलाकार प्रस्तुति देंगे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पूरे मेला क्षेत्र एवं पार्किंग स्थल सहित अन्य स्थानों पर कुल 250 उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर परिसर में स्थाई बैरिकेडिंग की गई है, वहीं अस्थाई बैरिकेडिंग में भी शौचालय, पेयजल और हवा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

धूप और बारिश से बचाव हेतु टॉवर टेंट लगाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिग—जैग बैरिकेडिंग से दर्शन व्यवस्था को और सुगम बनाया गया है।

मेले के दौरान आरती का समय निर्धारित किया गया है। प्रभात आरती सुबह 4:30 से 5:30, राजभोग आरती सुबह 10:15 बजे, संध्या आरती शाम 6:30 से 7:30 तथा शयन आरती रात 9 बजे होगी।

गोगामेड़ी सड़क मार्ग से बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, गुजरात, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों से सीधे जुड़ा है। निकटतम हवाई अड्डा नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (258 किमी) है। नजदीकी रेलवे स्टेशन हनुमानगढ़ और गोगामेड़ी है।

श्रद्धालुओं के ठहराव हेतु विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं की धर्मशालाए उपलब्ध रहेंगी। इनमें विभिन्न समाजों की धर्मशालाएं और सेवा समितियां शामिल है। इसके अतिरिक्त नोहर रिलीफ सोसायटी, श्री मार्कण्डेय सेवा समिति, गोगाजी सेवा समिति, होटल करणी, बी.एम. होटल, होटल स्वामी और होटल मोती पैलेस जैसे होटल भी व्यवस्था में जुटे हैं।

श्रद्धालु किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। देवस्थान कार्यालय, गोगामेड़ी से 01555-294628, मेला मजिस्ट्रेट कार्यालय, गोगामेड़ी से 01552-294629, पुलिस चौकी, गोगामेड़ी से 01555-294630 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जयपुर रामगंज में कावड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवी बृजमोहन मल्होत्रा ने बताया की कावड़ एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं aने और छोटे मासूम बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर भारी संख्या में हिस्सा लिया। और गलता जी से जल लेकर सूरजपोल रोड़ हिदा की मोरी गाँधी सर्किल होते हुए श्यामपुरी गली नंबर 3 शिव मंदिर पर भोलेनाथ पर जल अभिषेक किया गया। समाज सेवी मल्होत्रा ने बताया की कावड़ व कलश यात्राओ पर जगह जगह पर फूल बरसाए गए। कावड़ कलश यात्रा के दौरान शिवभक्तों का हौसला बढ़ाया और सम्मान देने के लिए पुष्पवर्ष की। मल्होत्रा ने कहा की शिव नवयुवक विकास समिति की और से भोजन प्रसादी का भी इंतेज़ाम किया। आयोजन कर्ता अध्यक्ष ओमप्रकाश खींची, उपाध्यक्ष संदीप सांवरिया बृजमोहन मल्होत्रा, ज्ञानचंद चंदेल, अरुण बागोरिया, किशोर नावरिया, मनीष मल्होत्रा, आकाश खींची, पृथ्वीराज, सोहेल, श्याम चंदेल, शेखर सांवरिया, रवि बागड़ी अन्य गणमान्य साथी मौजूद रहे।

राजीविका द्वारा किया जा रहा है शासन सचिवालय परिसर में राखी मेले का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रक्षाबंधन पर्व पर राखी सहित अन्य उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा शासन सचिवालय जयपुर परिसर में 6 से 8 अगस्त तक राखी मेले का अयोजन किया जा रहा है। यहां पर लगाई स्टॉल्स पर रंग बिरंगी राखियों के साथ नमकीन, भुजिया, पापड़, अचार एवं अन्य सजावटि आइटम उचित दर पर उपलब्ध हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा ने बुधवार को स्टॉल्स का अवलोकन कर उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और राजीविका की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेलों से राजीविका के स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों को विपणन हेतु आवश्यक उच्च स्तरीय मंच प्राप्त होता है जिससे उनकी आजीविका में बढ़ोतरी होती है। मेले में राखी के त्योहार पर विभिन्न जिलों से आई जयपुर, बांसवाड़ा की राखियां, खाद्य पदार्थों में बीकानेर के नमकीन, भुजिया, पापड़, मंगोड़ी, राजसंमद का शरबत, गुलाबजल, जोधपुर के बाजरे के बिस्किट, बीकानेर के कुकिज, हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट में जयपुर के वुडन वर्क, झालावाड़ की चादर, खेस व अचार आदि उत्पाद जो महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा बनाये गये हैं उचित मूल्य पर विक्रय किये जा रहे हैं। राखी मेले में 7 जिलों से 14 स्वयं सहायता समुह की महिलाओं द्वारा सहभागिता की जा रही है। मेले में राजीविका की ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग में आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन व विक्रय भी किया जा रहा है।

खोरा ग्रेड में सवामणी व कर्मचारी स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

-कर्मचारी सुरक्षित रहते हुए अपने कार्यो को अंजाम देवे- सुरेश चंद गर्ग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। 33/11 केवी जीएसएस खोरा लाड़खानी में स्तिथ श्री हनुमान जी महाराज के सवामणी व कर्मचारी स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्त विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्यजन लोगो ने शिरकत की।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता सुरेश चंद गर्ग थे अध्यक्षता जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड खोरा लाड़ खानी के कनिष्ठ अभियंता पंकज सिंह ने की तथा विशिष्ट अतिथियों में राजस्व अधिकारी विक्रम खींची, कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत व कनिष्ठ अभियंता रणवीर सिंह यादव थे। अधिशाषी अभियंता गर्ग ने कहा कि कर्मचारी स्वंयम सुरक्षित रहते हुए अपने कार्यो को अंजाम देवे औऱ सदैव निगम को लाभ तथा उपभोक्ताओं को राहत पहुचाए। कनिष्ठ अभियंता पंकज सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद में आलीशान बने हुए चूरमा दाल बाटी का लुत्फ़ लिया गया। इस अवसर पर पूर्व लाइनमैन रामपाल काका, 33/11 केवी जीएसएस खोरा लाड़ खानी के संचालक तेजा राम जाट, साधुराम जाट, समाज सेवी मदन लाल चौधरी, खोरा लाड़ खानी सरपंच ईश्वर लाल जाट, कर्मचारी नेता महावीर प्रसाद चौहान, कर्मचारी नेता सतपाल सिंह गुर्जर, कर्मचारी नेता नरेंद्र योगी, कर्मचारी नेता नाथू लाल गुर्जर, कर्मचारी नेता रमेश गुर्जर, प्रवीण रणवा, रोहिताश सैनी, महेश बाजोर, सचिन खटाना, शिवपाल सैनी, शिव प्रकाश,रामकरण यादव, रमेश वर्मा,गिरधारी लाल, रामकरण यादव, रोहिताश बुनकर, हंसराज यादव, केशर लाल बुनकर आदि ने कार्यक्रम की रूप रेखा को संभाली। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक गंगाराम सैनी, राहुल गुप्ता,हरीश शर्मा, सन्तोष मेहरा,कम्पाउंडर बनवारी लाल चौधरी, रामसिंह चौधरी आदि उपस्तीथ थे।

"हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के तहत आयोजित की जायेगी विभिन्न गतिविधियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। "हर घर तिरंगा- हर घर स्वच्छता" अभियान के अंतर्गत नगर निगम ग्रेटर के समस्त जोनों, वार्डों में 2 अगस्त 2025 से 15 अगस्त 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम करवाये जा रहे है। इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से शहर को स्वच्छ, सुंदर और देशभक्ति से ओत-प्रोत बनाना है।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के तहत प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है 7 अगस्त को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर इन्फ्लुएंसर मीटिंग, 8 अगस्त को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर तिरंगा मेला में स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल एवं इको-फ्रेंडली तिरंगा राखी कार्यक्रम, 09 अगस्त को सामुदायिक शौचालयों की सफाई, 10 अगस्त को पत्रिका गेट पर तिरंगा संगीत कार्यक्रम, 11 अगस्त को 2-2 वार्ड प्रत्येक ज़ोन में कचरा पृथक्करण एवं होम कंपोस्टिंग, 12 अगस्त को बस्तियों में सफाई अभियान, 13 अगस्त को सद्भावना केंद्रों पर झंडा संहिता अनुसार प्रचार, 14 अगस्त को स्कूल, कॉलेजों में चित्रकारी, रंगोली प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम, 15 अगस्त को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय एवं प्रत्येक ज़ोन में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के तहत देशभक्ति विषय पर प्रदर्शनियाँ और ज़ोन स्तर पर सफाई कर्मियों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट स्कूल, RWA, BWG, SHG, RRR केन्द्रों पर झण्डा संग्रहण भी किया जाएगा।

डिफेक्टिव मीटर शून्य घोषित हुए जयपुर डिस्कॉम के पांच और सर्किल

- अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने की कार्य योजना बनाएं -ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 6 अगस्त। जयपुर डिस्कॉम के 8 सर्किलों में अब सभी खराब मीटर बदल दिए गए हैं। जुलाई माह में दौसा, जयपुर जिला वृत्त-(उत्तर) तथा झालावाड़ सर्किल को डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने के बाद जयपुर डिस्कॉम ने अगस्त माह में जयपुर नगर वृत्त-उत्तर एवं दक्षिण, कोटा, बून्दी तथा बारां सर्किल को भी जीरो डिफेक्टिव मीटर सर्किल करने में कामयाबी हासिल की है। इसी प्रकार कोटा जोन, प्रदेश के तीनों विद्त वितरण निगमों में पहला जोन बन गया है जिसके, सभी सर्किल डिफेक्टिव मीटर मुक्त कर दिए गए हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने अगस्त माह में शून्य डिफेक्टिव मीटर की उपलब्धि हासिल करने वाले कोटा जोन के मुख्य अभियन्ता तथा सभी पांचों सर्किल अधीक्षण अभियन्ताओं को बुधवार को विद्त भवन में प्रमाण पत्र सौंप कर उन्हें बधाई दी। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा भी इस अवसर पर मौजूद थीं।

नागर ने इस महत्वपूर्ण कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जयपुर विद्त वितरण निगम के शेष 10 सर्किलों को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि अजमेर एवं जोधपुर विद्त वितरण निगमों को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त बनाने की दिशा में कार्य योजना बनाई जाए।

बदले 72 हजार से अधिक खराब मीटर-

इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि विद्त मीटर के लम्बे समय तक खराब रहने के कारण निगम को बिलिंग और राजस्व की आर्थिक हानि होती है। इस समस्या के निराकरण के लिए जयपुर डिस्कॉम को डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने की कार्य योजना तैयार की गई। इसके तहत इन पांचों सर्किलों में 1 अप्रेल 2024 से 31 जुलाई 2025 तक 72979 खराब मीटर बदले गए हैं। इनमें जयपुर नगर वृत्त-उत्तर में सर्वाधिक 28300, जयपुर नगर वृत्त-दक्षिण में 23018, कोटा वृत्त में 12489, बून्दी वृत्त में 6939 तथा बारां सर्किल में 2233 खराब मीटर बदले गए हैं। इससे पहले जुलाई माह में दौसा वृत्त ने 1 जुलाई 2024 से 30 जून 2025 तक 9 हजार 139, जेपीडीसी नॉर्थ ने इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून तक 17 हजार 885 तथा झालावाड़ सर्किल ने इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून तक विभिन्न श्रेणियों में 1585 खराब मीटर बदलकर डिफेक्टिव मीटरों की संख्या शून्य करने में सफलता प्राप्त की है।

डिफेक्टिव मीटर से निगम के राजस्व पर पड़ता है विपरीत असर-

उल्लेखनीय है कि मीटर के डिफेक्टिव रहने का विपरीत असर डिस्कॉम के राजस्व पर पड़ता है। यदि मीटर 2 माह से अधिक समय तक डिफेक्टिव रहता है तो निगम को विद्त शुल्क का 5 प्रतिशत छूट उपभोक्ता को प्रदान करनी होती है। साथ ही, मीटर खराब होने से औसत उपभोग के आधार पर विद्त बिल जारी करना पड़ता है। यदि वास्तविक उपभोग औसत से कम रहता है तो उपभोक्ताओं की शिकायतें बढ़ती हैं और वास्तविक उपभोग अधिक होने पर निगम को आर्थिक हानि होती है। साथ ही, वास्तविक उपभोग से बिलिंग नहीं होने के कारण संबंधित सब डिविजन अथवा फीडर की वितरण हानि का आंकलन भी संभव नहीं हो पाता। जयपुर डिस्कॉम में विभिन्न समीक्षा बैठकों में अधीक्षण अभियंताओं को सर्किल्स में खराब मीटरों की लम्बित सूची को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जिला निष्पादन समिति की बैठक सम्पन्न

-विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा के बेहतर प्रबंध, नामांकन, परिणाम पर जोर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला निष्पादन समिति की बैठक जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने शिक्षा विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों के बेहतर प्रबंध और नामांकन लक्ष्यों की प्राप्ति सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवेशोत्सव-2025 के तहत कक्षा 1 से 12वीं तक के नामांकन लक्ष्यों को निर्धारित कर उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही 'शाला दर्पण' पोर्टल पर नामांकन रिपोर्ट समय पर अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने बोर्ड परीक्षा-2025 के परिणामों की समीक्षा करते हुए कम परिणाम वाले राजकीय विद्यालयों में सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने, शिक्षकों से फीडबैक लेने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव है वहां ई-कक्षा का संचालन किया जाए ताकि कोई भी विद्यार्थी शिक्षकों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत पौधारोपण कर विद्यालय परिसरों का सौन्दर्यकरण करने, मिड डे मील एवं पन्नाधाय बाल गोपाल योजना में गुणवत्तापूर्ण मिल्क पाउडर और खाद्यान्न वितरण की निगरानी के निर्देश भी दिए। उन्होंने इंदिरा महिला शक्ति फीस पुनर्भरण योजना व आरटीई अंतर्गत निजी स्कूलों में बच्चों के स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। कमेटी का गठन कर शिक्षा के अधिकार के नियमों का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों के विरूद्ध मान्यता समाप्त करने के संबंध में कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। उन्होंने इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों के नामांकन में प्रगति लाने, पीएमश्री विद्यालयों, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों, आईसीटी और स्कूल हेल्थ वेलनेस कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और एकलव्य, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में जर्जर भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, अस्पतालों व सार्वजनिक इमारतों की पहचान के लिए गठित विशेष टीमें लगातार निरीक्षण कर रिपोर्ट दे रही हैं। सभी बीईईओ को अपने क्षेत्र में सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने और नियमित निरीक्षण करने को कहा गया। उन्होंने समस्त संस्थाप्रधानों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी जर्जर कक्ष अथवा भवन में कक्षा का संचालन नहीं करें ऐसे कक्षों को तत्काल सील करे और विद्यार्थियों को अन्य कक्ष में बैठाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि पहल के अन्तर्गत विद्यालयों की मरम्मत एवं सुविधाओं हेतु जिले के प्रवासियों एवं भामाशाहों को प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त किया जाए।

हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए संविधान संशोधन किया जाए - के के गुप्ता

-देश में भाषाओं के आधार पर राजनीति और भेदभाव नहीं होना चाहिए

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व वैश्य महासम्मेलन के राजस्थान में कार्यवाहक अध्यक्ष,पश्चिम क्षेत्र अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष और स्वच्छ भारत मिशन अभियान (ग्रामीण)के कॉर्डिनेटर तथा डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के के गुप्ता ने केन्द्र सरकार से विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा बनाने के लिए संविधान में संशोधन करने का आग्रह किया है। साथ ही कहा है कि सभी क्षेत्रीय भाषाएं थर्ड लैंग्वेज के रूप में राज्यों में पढ़ाई जानी चाहिए। गुप्ता ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुःखद और वेदना पूर्ण है कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर एक ग्रूप विशेष द्वारा चलाई सौची समझी राजनीति और विद्वेष पूर्ण ढंग से एक मुहिम चला कर राजभाषा हिन्दी और अन्य भाषाओं को बोलने वाले लोगों को अनैतिक धमकियाँ दी जा रहीं है।उन्होंने इस मुहिम की आलोचना करते हुए कहा कि देश में भाषाओं के आधार पर किसी भी प्रकार की राजनीति और भेदभाव नहीं होना चाहिए तथा केन्द्र सरकार को इसकी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने हिन्दी भाषा को लेकर महाराष्ट्र और देश के दक्षिणी और अन्य राज्यों में पूर्वाग्रहों से ग्रसित राजनीति की भर्त्सना करते हुए कहा कि देश का संविधान राजभाषा हिन्दी और हर मान्यता प्राप्त भाषा तथा अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान करता है लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि किसी अन्य प्रदेश का व्यक्ति राज्य विशेष में जाकर हिन्दी अथवा अन्य भाषा नहीं बोल सकता । यह सरासर गलत है कि भारत के ही नागरिक को अपने ही देश में किसी अन्य प्रदेश में जाने पर वहाँ की क्षेत्रीय भाषा में ही बोलने को बाध्य होना पड़े अन्यथा उसे वहाँ रहने और काम करने की इजाज़त नहीं दी जाए। ऐसा करना न केवल व्यक्ति के मौलिक अधिकारों एवंमानवाधिकारों का हनन है वरन् राजभाषा हिन्दी का भी अपमान है।जब भाषा के आधार पर किसी नागरिक के साथ भेदभाव किया जाता है जैसे नौकरियों के अवसरों में, सरकारी सेवाओं में या राजनीतिक भागीदारी से उससे वंचित किया जाता है,तो वह भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिकअधिकारों और व्यापक मानवाधिकार मानकों का

उल्लंघन ही है। भारत में संविधान के अनुच्छेद 29(2) में भाषा के आधार पर संस्थानों में प्रवेश में भेदभाव पर रोक है।अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जिसमें अपनी भाषा में बोलने–लिखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। विश्व मानवाधिकार घोषणा का अनुच्छेद 2 हर व्यक्ति को बिना किसी तरह के भेदभाव के अधिकारों का उपभोग करने की गारंटी देता है, जिसमें भाषा के आधार पर भेदभाव भी शामिल है।हालाँकि भारत की नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा के अधिकार की गारंटी दी गई है लेकिन हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा बनाने से क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के मार्ग में कोई बाधा आएगी ऐसी शंका करना भी उचित नहीं है।

छात्र चुनाव की बहाली की मांग को लेकर चूरू में छात्र चेतना यात्रा का आयोजन

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज राजस्थान प्रदेश में छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर पुरे प्रदेश भर में छात्र चेतना यात्रा का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में आज चूरू जिला मुख्यालय पर अभिषेक चौधरी व महेंद्र चौधरी के संयुक्त नेतृत्व में तथा युवा कांग्रेस अध्यक्ष शोयल खान डीके एवं एनएसयुआई पूर्व जिला अध्यक्ष रामानंद न्यौल के सानिध्य में तथा एनएसयुआई के पुर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन, कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव एडवोकेट सुरेश कुमार कल्ला, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव विश्वास सांगवान, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सुनिता कपुरिया, अनुराधा सिद्ध के संयुक्त मार्गदर्शन में छात्र चेतना यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा जिला कलेक्ट्रेट चूरू स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का आरम्भ किया गया तथा यहां से यात्रा रेल्वे स्टेशन होते हुए राजकीय लोहिया महाविद्यालय पंहुची जहां पर प्राचार्य राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित कर राजस्थान प्रदेश में शीघ्र छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग की गई, मांगे नहीं माने जाने पर लोकतांत्रिक रूप से विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। इस अवसर पर अरविंद मान, शाहिल खान, अमन चौधरी, अमन अदनान, पुलकित चौधरी, अनिल बुडानिया, अनिल भाकर, चांद कुलडिया, अली हसन, सोहेल मातवान, राजेश कस्वां, अब्बास खान, अजय कस्वां, अरमान कुरैशी, जावेद निर्माण, आमिर चोहान, रेहान मातवान, मोहित, अजय चौधरी, राकेश कस्वां, सेफ कुरैशी, सुलेमान मणीयार, महबूब खान, संजीव मीणा, अल्ताफ रंगरेज सहित बड़ी संख्या में छात्र शक्ति उपस्थित रहे।

उचित मूल्य दुकानों के आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत चूरू जिले में नवसृजित/रिक्त उचित मूल्य दुकानों के लिए इच्छुक एवं पात्र व्यक्तियों से राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण एवं विनियमन) आदेश, 1976 के खण्ड 31 के अंतर्गत प्राधिकार—पत्र जारी किए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी अंशु तिवाड़ी ने बताया कि उचित मूल्य दुकानों के आवंटन हेतु जारी दिशा

—निर्देशों के तहत सशुल्क आवेदन —पत्र 04 सितंबर, 2025 तक कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस में जिला रसद अधिकारी कार्यालय, चूरू (भरतीया अस्पताल धर्मशाला , नेचर पार्क के पास, चूरू) से 100 रुपए के भारतीय पोस्टल आर्डर जिला रसद अधिकारी के पक्ष में प्रस्तुत कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

आवेदन पत्र 04 सितंबर, 2025 को सांय 06 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

"हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2025 के उपलक्ष्य में जिले में "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता" अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भदलाव, पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सवाई माधोपुर, पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पिपलाई सहित विभिन्न विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रार्थना सत्र में विद्यार्थियों को तिरंगे की आकृति में बिठाया और शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों को राष्ट्रप्रेम से जोड़ते हुए तिरंगे के इतिहास, महत्व और भारतीय ध्वज संहिता एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बताया कि जिस प्रकार हम तिरंगे को सम्मानपूर्वक फहराते हैं, उसी तरह अपने घर-आंगन, गली-मोहल्ले की स्वच्छता बनाए रखना भी सच्ची देशभक्ति का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने "हर घर तिरंगा" और "स्वच्छ भारत" विषयक नारे लगाए, पोस्टर बनाए और जागरूकता रैली में भाग लिया। सभी ने यह संकल्प भी लिया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराया जाएगा तथा आसपास की साफ-सफाई को सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रभारी प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद साहू एवं प्राचार्य राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना पैदा करने एवं पूरे परिवेश में देशभक्ति पूर्ण माहौल बनाने के लिए आजादी के अमृत महोत्सव अन्तर्गत 2 से 15 अगस्त, 2025 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा इसमें जनप्रतिनिधि, स्थानीय स्वयं सहायता समूह, एनजीओ, भामाशाह, दानदाता, गणमान्य नागरिक, स्थानीय कलाकार, संगीतकार, खिलाड़ी आदि की उपस्थिति में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों और कॉलेज में तिरंगा राखी बनाओ वर्कशॉप तिरंगा रंगोली प्रदर्शनी व प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जनसमूह को इस कार्यक्रम में जोड़ने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन व निस्तारण जल जीवन मिशन सौंदर्यीकरण, तिरंगा यात्रा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत द्वारा नो प्रॉफिट नो लॉस के आधार पर रियायती दरों पर ध्वज क्रय किए जाएंगे तथा उचित दर पर वितरित किए जाएंगे ताकि देश में स्वाधीनता के प्रति देशभक्तिपूर्ण हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जा सके।

धरपकड़ अभियान के तहत थाना गोविंदगढ़ की बड़ी कार्रवाई

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ग्राम पंचायत गोविंदगढ़ के स्थित में सहित जिला स्तर पर चलाएं गए विशेष धरपकड़ अभियान के गोविंदगढ़ की करवाई अभियान के दौरान न्यायालय से जारी स्थाई वारंटो में वारंटी राजकुमार मौर्य गोपाल कृष्ण को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी (आई पी एस) ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तर पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान वांछित अपराधी यो की गिरफ्तारी हेतु धरपकड़ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पुनियांआर पी एस के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक वृत गोविंदगढ़ जिला जयपुर ग्रामीण के राजेश कुमार जांगिड़ आईपीएस के नेतृत्व में तथा गोविंदगढ़ चंद्रशेखर शर्मा उपनिरीक्षक थाना अधिकारी ग्रामीण के द्वारा थाना स्तर पर पांच अधिकारी कर्मचारियों की टीमे गठित की गई। टोमे के द्वारा करवाई करते हुए

स्थाई वारंटी राजकुमार मौर्य व गोपाल कृष्ण को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय वारंटी राजकुमार को डीएसटी टीम में कार्यरत गंगासागर कनि. -- रतीराम कनि--कि सूचना पर इलाका थाना खो-नागोरियान जिला जयपुर में डिटेन किए जाने पर गिरफ्तार किया गया । वहीं स्थाई वारंटी गोपाल कृष्ण को थाना भांजा पर गठित पीएम के द्वारा तलाश की जाकर श्रीमाधोपुर जिला सीकर इलाके से डिटेन किया जाकर गिरफ्तार किया गया। राजकुमार मौर्य पुत्र चुन्नीलाल मौर्य निवासी प्लाट नंबर 12 रूपनगर कॉलोनी मनोहरपुरा कच्ची बस्ती जगतपुरा थाना प्रताप नगर जिला जयपुर है गोपाल कृष्ण पुत्र हनुमान सहाय जाति अहीर निवासी खेजरोली थाना गोविंदगढ़ जिला जयपुर है।

गोविंदगढ़ के ही स्थित ततेड़ा मोड पर रामपुरी धाम के परिसर में समाधि जीणोदद्धार सहस्त्रघट और राम महायज्ञ का आयोजन हुआ

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। गोविंदगढ़ कस्बे के तातेडा मोड चौराहा के पास रामपुरी धाम में विश्व कल्याण की कामना के साथ मुख्य यजमान नंदलाल-अर्चना शर्मा के सानिध्य में बाबा रामपुरी समाधि जीर्णोद्धार, सहस्त्र घट और राम महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रवचन देते हुए हीरापुरी महाराज, शिवानंद पुरी व मणिदास महाराज ने कहा कि ग्रामीण एरिया एक तरह से छोटी काशी है। रामपुरी धाम की पहचान पीड़ित और गरीब की सेवा के लिए जानी जाती है। परंपरा निभाते हुए धाम में आने वाले और विश्राम करने वाले सभी भक्तों की सदैव सेवा करते रहना चाहिए। इस दौरान यज्ञाचार्य पंडित रामगोपाल हीराकाबास ने कहा हमेशा धाम की गरिमा बनाए रखनी होगी। समय-समय पर धुणै पर भोग-प्रसाद लगाते रहना चाहिए। इसके साथ ही सैकड़ों महिलाओं ने हरी कीर्तन किया। इसके बाद पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। समारोह में कस्बे सहित आसपास के गांवों के लोगों ने भाग लिया। मुख्य यजमान नंदलाल-अर्चना शर्मा ने कहा कि वे अपने पिताजी मंदिर महंत रामगोपाल डीआई की ही तरह सदैव हर संभव सेवा अर्चना करते रहेंगे। इस अवसर गोविंदगढ़ सरपंच महेंद्र कुमार शर्मा, कैलाश शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालुओ को दोपहर 2:00 बजे से प्रसादी वितरण की गई। इस अवसर पर सैकड़ो ग्रामीण आसपास के छात्र छात्रो ऐ उपस्थित होकर प्रसाद जी का लुक लेते नजर आए।

राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ की ब्लॉक स्तरीय बैठक

-शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय मंडेलिया हाउस में संपन्न हुई

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ की ब्लॉक स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष विक्रम पाल सिंह के मुख्य अतिथि में तथा शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असलम खोकर की अध्यक्षता में तथा कांग्रेस प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन, ब्लॉक अध्यक्ष सुलेमान मणीयार, देहात अध्यक्ष चन्दनमल मेघवाल, अजीज खान दिलावरखानी, एडवोकेट अनिश खान, खालिद कुरैशी के अति विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई जिसमें आगामी 20 अगस्त 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाली विशाल रैली को सफल बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी महबूब खान, उपाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी, जाफर खान, रामेश्वर प्रसाद नायक, श्रवण बसेर, आरिफ खान, नवाब मनीयार, समीर भाटी, मुकेश, आसिफ भाटी, नसीरुद्दीन राजगडीया, चंद्रभान, सिकंदर, शोएब, राकेश, ओमप्रकाश बाकोलिया, हिमांशु, कासम सिसोदिया, अल्ताफ रंगरेज, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

पंडित रविंद्राचार्य ने लिया अवधेश दास महाराज का आशीर्वाद

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ही तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष पंडित रविंद्राचार्य ने बुधवार को क्षावण मास के पावन बेला पर नंदपुरी सोडाला जयपुर स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर परिसर में श्रीमद् जगतगुरु दिवाकरचार्य श्री श्री 1008 संत इस शिरोमणि श्री अवधेश दास जी महाराज ने आशीर्वाद स्वरुप माला, दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया और कहां की ज्योतिष के क्षेत्र में जो देश-विदेश भारत का नाम रोशन किया है आगे भी करते रहो।

नी स्वार्थ लोगों की सेवा करो महादेव की कृपा आप पर बनी रहे साथ में जयपुर सिविल लाइंस के युवा नेता भवानी शर्मा, चौमूं तहसील से वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, पंकज शर्मा, नितिन पारीक, मुकेश गोयल, अविनाश शर्मा, पंकज एडवोकेट आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लायंस क्लब पाली सिटी ने लगाए 250 पौधे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 05 जुलाई 2025, मंगलवार को गांव भांवरी की राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में लायंस क्लब पाली सिटी के सदस्यों ने लायन प्रकाश बोहरा के सहयोग से 250 पौधे लगाए। क्लब अध्यक्षलायन सोहनलाल नागौरा ने कहां की वृक्ष केवल हरियाली नहीं यह हमारे संस्कार समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक है तो आइए हम सब मिलकर इस हरित अभियान को ओर भी व्यापक बनाएं और आने वाली पीडियो को स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करें। लायन सुरेश आई जैन ने बताया कि क्लब के सदस्य प्रकाश बोहरा गांव भांवरी के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहते है। लायन प्रकाश ने बोहरा ने क्लब को आश्वाशन दिया कि वे इन 250 पौधों के संरक्षण का भी पूरा ध्यान रखेंगे उनकी पूरी देखभाल का जिम्मा भी बोहरा ने लिया। शाला के प्रधानाध्यापक ने क्लब सदस्यों को भव्य स्वागत किया। इस सेवा कार्य में शाला के अध्यापक गण व विद्यार्थियों का बहुत अच्छा सहयोग रहा व क्लब के अध्यक्ष सोहन नागौरा के साथ प्रकाश बोहरा, सुरेश आई जैन, मणिशंकर खत्री सुमतमल सिंघवी, अमरचंद मुथा, राजेंद्र परिहार, पूनम सिंह आदि उपस्थित रहे।

देवथला मैं तिरंगा रैली और रंगोली का हुआ आयोजन

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ही ग्राम पंचायत समिति गोविंदगढ़ की और से बाल विकास परियोजना कार्यालय द्वारा परियोजना अधिकारी मनोरमा शर्मा के सानिध्य में तिरंगा रैली और रंगोली का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत देवथला पंचायत परिसर में किया गया इस कार्यक्रम के दौरान आसपास की महिलाएं एवं किशोरी और बालिकाओं को तिरंगा रैली के बारे में विस्तार से समझाया गया एवं पूर्वक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान आसपास की पंचायत की कार्यकर्ता भी मौजूद रही। इस कार्यक्रम के दौरान गोविंदगढ़ महिला बाल विकास के पर्यवेक्षक शांत सोनी के द्वारा रैली का रंगोली का कार्यक्रम आयोजन करवाया गया। इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सम्मान योजना के तहत सरकार द्वारा कार्यकर्ता और सहायिका को 501 रुपए और मिठाई का डिब्बा भी दिया गया।

एनएसयूआई छात्र नेताओं का किया अभिनंदन मुश्ताक खान

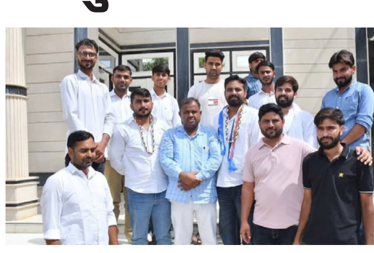

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज एनएसयूआई की जन चेतना यात्रा के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्र नेता अभिषेक चौधरी और जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी के छात्र नेता महेंद्र चौधरी के चूरू पहुंचने पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव मुस्ताक खान के निवास स्थान पर साथियों द्वारा स्वागत किया गया और चूरू जिले में छात्र संघ चुनाव के लिए एनएसयूआई के प्रदर्शन को लेकर आगे की रणनीति तय की गई। जिसमें यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव महेश ढूकिया, पुलकित चौधरी, यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विश्वास सांगवान, यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र डूडी, जय प्रकाश फ़गेडिया, छात्र नेता फरमान खान, युवा नेता गुलजार खान, सूफियान झारिया, राहुल, लतीफ खान एवं कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा - 2025 को लेकर कंट्रोल रूम स्थापित

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर चूरू जिला मुख्यालय पर 16 परीक्षा केन्द्रों पर 17 अगस्त, 2025 को सवेरे 09 बजे से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 03 बजे से सांय 06 बजे तक दो पारियों में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित की जाने वाली पटवार सीधी भर्ती परीक्षा, 2025 के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि कंट्रोल रूम में कार्मिकों की नियुक्ति कर समुचित निर्देश दिए गए हैं। कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01562—251322 हैं। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम सूचना संप्रेषण केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। इसी के साथ प्रवेश—पत्र की डुप्लीकेट प्रति भी जारी की जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश हेतु बोर्ड की वेबसाइट से ई—प्रवेश पत्र डाउनलोड कर प्रिंट काम में लिया जाना है। किसी —किसी परिस्थिति में परीक्षार्थी द्वारा प्रवेश—पत्र प्राप्त करने हेतु संपर्क करने पर बोर्ड द्वारा उपलब्ध करवाए गए कम्प्यूटर डाटा से प्रवेश—पत्र प्रिंट कर उपलब्ध करवाया जाएगा। इस प्रवेश पत्र पर डुप्लीकेट लिख दिया जाएगा।

राज्य स्तरीय अवॉर्ड से मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम एम पुकार को किया सम्मानित

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार को अंगदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर बेस्ट ऑर्गन ट्रांसप्लांट में प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहने पर जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम न्यू एकेडमिक ब्लॉक में आयोजित समारोह में राज्य स्तरीय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। समारोह के सवाई मानसिंह चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग राजस्थान और स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन की ओर से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं शिक्षा सचिव अंबरिश कुमार और राजमेश कमिश्नर इकबाल खान थे। चूरू मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार को अंगदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्य अतिथियों ने राज्य स्तर पर सम्मानित किया है। प्रिंसिपल डॉ. पुकार ने कॉलेज एवं डीबी अस्पताल की टीम ने उनके साथ मिलकर बेस्ट कार्य किया है जिसके लिए आज उनको यह सम्मान मिला है। अंगदान अभियान में देश में चूरू पांचवें नंबर पर और प्रदेश में दूसरे नंबर पर हैं। इस अभियान में एक बार चूरू प्रदेश में एक नंबर पर भी रहा था।

आंगनबाड़ी बहन सम्मान दिवस पर जिले की 4 हजार एक सौ आंगनबाड़ी बहनों के खातों में सीधे डीबीटी से पहुंचा

-20 लाख 54 हजार से अधिक राशि के राखी उपहार की सौगात

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान समारोह का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजन जयपुर बिडला सभागार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को आयोजित किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से पूरे प्रदेश में प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र वह संस्कार केंद्र हैं जहां पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका शिशु की गुरु बनकर पूर्ण मातृत्व भाव से उनमें संस्कारों को गढती हैं। उन्होंने नारी को नारायणी बताते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के लिए हर क्षेत्र में सेवा, सुरक्षा, सशक्तिकरण की भावना के साथ उनके साथ खड़ी है तथा पूरी संवेदनशीलता के साथ सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विगत दो वर्षों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय बढ़ाने, एक हजार नये आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, दो हजार से अधिक मॉडल आंगनबाड़ी बनाने, मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना आदि महत्वपूर्ण योजनाओं के संचालन करने तथा आने वाले समय में भी पूरी संवेदनशीलता के साथ उनसे जुड़ी हर समस्या का समाधान करने की बात कहीं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक लाख से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बहनों के खातों में 501 रुपए राशि का डीबीटी हस्तांतरण कर राखी उपहार प्रदान किया गया। इसके साथ ही सभी बहनों को छाता एवं मिठाई भी प्रदान की गई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आईसीडीएस राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमर, शासन सचिव आईसीडीएस महेंद्र सोनी, निदेशक वासुदेव मंचासीन रहे। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षा सूत्र भी बांधे गये। जिला स्तरीय कार्यक्रम विजया राजे ऑडिटोरियम में विधायक सागवाड़ा शंकर लाल डेचा, पूर्व राज्य मंत्री सुशील कटारा, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, समाजसेवी अशोक पटेल रणोली, पूर्व विधायक गोपीचंद मीणा, जिला प्रमुख सूर्या अहारी, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, समाजसेवी बंशीलाल कटारा, उप सभापति सुदर्शन जैन, समाजसेवी गुरु प्रसाद पटेल, पूर्व जिला प्रमुख माधव लाल वरहात, समाजसेवी नयन सुथार, पंकज जैन, सुरेश फलोजिया, हंसमुख पण्डया, सुरमाल परमार, महेश पाटीदार, सुरज फलोजिया, पूनम चंद लबाना के विशिष्ठ आतिथ्य में आयोजित किया गया।

आंगनबाड़ी बहन सम्मान कार्यक्रम हुआ आयोजित

-जिले की 2440 आंगनबाड़ी बहनों को हस्तांतरित की 12.22 लाख रुपए की उपहार राशि

बूंदी,(रॉयल पत्रिका)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश में बहनों का सुरक्षा-सम्मान पर्व मनाया जा रहा हैं। जिसके तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में "मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिड़ला ऑडिटोरियम में लगभग 12 सौ आंगनबाड़ी बहनों सहित वीसी के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों से 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनें शामिल हुई। इस दौरान प्रदेश की सभी 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को राखी के उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा ऑनलाईन बटन दबाकर 501 रुपए की राशि प्रत्येक को हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई वितरण भी किया गया। शगुन होटल में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम बहनों का सुरक्षा सम्मान पर्व अभियान के तहत आंगनबाड़ी बहन सम्मान कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम नैनवां रोड स्थित शगुन होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल एवं जिलाध्यलक्ष रामेश्वार मीणा ने शिरकत की। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वीसी के माध्यम से दिखाया गया एवं जिला कलक्टर द्वारा आंगनबाड़ी बहनों को सुपोषण के लिए कार्य करने हेतु पोषण शपथ भी दिलवाई गई। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जिले की 2440 आंगनबाड़ी बहनों को डीबीटी के माध्यम से 12.22 लाख रुपए की उपहार राशि हस्तांतरित की गई। इस दौरान चिह्नित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा राखी पहनाई गई। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को छाते व मिठाई भी वितरित की गई।

देर रात को जिला कलक्टर ने किया किसान चौक, गौतम बुद्ध नगर, एसटीपी का अवलोकन

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने सोमवार देर रात को हनुमानगढ़ रोड स्थित किसान चौक, गौतम बुद्ध नगर, दर्पण एनक्लेव, एसटीपी सहित नगर विकास न्यास के अधीनस्थ विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने चौक सौंदर्यकरण, पौधारोपण और अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए न्यास अधिकारियों को निर्देशित किया। सोमवार देर रात को जिला कलक्टर ने बीते सप्ताह हुई अत्यधिक वर्षा के मद्देनजर जल भराव वाले क्षेत्रों का अवलोकन किया। किसान चौक पहुंचने के पश्चात जिला कलक्टर ने गौतम बुद्ध नगर, दर्पण एन्क्लेव, नगर विकास न्यास के एसटीपीए हनुमानगढ़ रोड और आसपास के विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन करते हुए वर्षा जल निकासी व्यवस्था के लिए न्यास अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल भराव वाले क्षेत्रों में काले तेल का छिड़काव करवाने के साथ.साथ मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फोगिंग भी करवाई जाए। उन्होंने कहा कि जल भराव वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करने, सड़क व डिवाइडर किनारे सुंदर पौधे लगाने के लिए न्यास अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने चौक सौंदर्यकरण कार्य की भी समीक्षा की। जिला कलक्टर ने इस दौरान मास्टर प्लान के अनुसार प्रस्तावित बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर, बाजार स्थल के विकास की कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसान चौक के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में ग्राउंड वाटर रिचार्ज के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

-जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिथियों ने किया आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं का सम्मान

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। बहनों का सुरक्षा सम्मान पर्व "मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन, आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान" का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मंगलवार को जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इसी क्रम में जिला स्तरीय कार्यक्रम नोजगे पब्लिक स्कूल ऑडिटोरियम में हुआ। इस दौरान अतिथियों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वीसी के माध्यम से जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने देखा। इस दौरान गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, जिला प्रमुख कविता, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन सुभाष, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एसीएम स्वाति गुप्ता, शरणपाल सिंह मान, प्रियंका बैलाण, चेष्टा सरदाना सहित अन्य मौजूद रहे। महिला बाल विकास विभाग के उपनिदेशक विजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को डीबीटी के माध्यम से 501 रूपये की राशि बैंक खातों में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा ट्रांसफर की गई। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सभी को पोषण की शपथ भी दिलवाई गई। उन्होंने बताया कि जिले की समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को भी डीबीटी के माध्यम से राशि ट्रांसफर हुई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अतिथियों को स्नेहपूर्वक राखी बांधी। अतिथियों द्वारा कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को स्नेहपूर्वक मिठाई और छाता भेंट किया गया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान पूरक परीक्षा 6 अगस्त को

-40 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से पूरक परीक्षा 2025 कल 6 से 8 अगस्त तक निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। इसका विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड कर दिया गया है। यह परीक्षा समाप्ति 8 अगस्त तक प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक कार्यरत रहेगा। परीक्षा में 40 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि बोर्ड की पूरक परीक्षाए कल 6 अगस्त से 8 अगस्त तक निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। बोर्ड पूरक परीक्षा-2025 का विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम एवं प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड कर दिए गए है। सैकण्डरी स्तर पर 33130 एवं सीनियर सैकण्डरी स्तर पर 7100 परीक्षार्थी पंजीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पूरक परीक्षा संबंधी किसी भी शिकायत या समस्या के लिए कन्ट्रोल रूम से सम्पर्क किया जा सकता है। शिकायत के साथ अपना पता, टेलिफोन, मोबाईल नम्बर अवश्य नोट करावें। परीक्षार्थियों के पूरक नामांकन तथा केन्द्र संबंधी समस्त जानकारी बोर्ड वेबसाईट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। बोर्ड कन्ट्रोल रूम के फोन नम्बर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

चौकी-नाकों के निरीक्षण व जर्जर भवनों के स्थान पर नवीन भवनों के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

-वन मंत्री संजय शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में वन एवं पर्यावरण विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं, योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पूर्व मंत्री एवं निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, बेगूं विधायक सुरेश धाकड़, जिला प्रमुख गब्बर सिंह, सीसीएफ सेडुराम यादव ,सीसीएफ सुनील चिद्री, सीसीएफ सोनल जोरिहार , जिला कलक्टर आलोक रंजन, उप वन संरक्षक चित्तौड़गढ़ सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। वन मंत्री शर्मा ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत प्रदेशभर में हो रहे पौधारोपण को प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल बताया और कहा कि समन्वित प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण संभव है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव है।

चौकी-नाकों का सर्वे कर प्रस्ताव भेजें

शर्मा ने निर्देश दिए कि जिलेभर में वन कर्मियों की चौकियों व नाकों का तत्काल निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी जर्जर भवन में चौकी या नाका संचालित नहीं होना चाहिए। जहां भी आवश्यकता हो, वहां नवीन भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव सरकार को भेजे जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में औचक निरीक्षण कर सकते हैं, अतः अधिकारी सजग व तत्पर रहें।

वन क्षेत्र सुरक्षा व संरक्षण को प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वन विभाग के तंत्र को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है और प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से वन्यजीव सुरक्षा, जल संरक्षण और पौध संरक्षण में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता से कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य के लिए गुसांईसर की कार्यकर्ता मंजू जांगू को किया सम्मानित

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर में हुआ कार्यक्रम

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन' के तहत 'आंगनबाड़ी बहन सम्मान कार्यक्रम' मंगलवार को जयपुर में आयोजित हुआ। जिला स्तर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण रवींद्र रंगमंच पर हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहिनों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। उन्होंने बहिनों की सुरक्षा का संकल्प लिया और उन्हें उपहार दिए। उप मुख्यमंत्री श्रीमती दियाकुमारी और महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार में मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय खातों में 501 रुपए हस्तांतरित किए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इसी श्रृंखला में उन्होंने बीकानेर के गुसांईसर आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता मंजू जांगू को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को विशेष सौगात दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर जिले में नियोजित लगभग तीन हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को 501 रुपए का हस्तांतरण संबंधित के बैंक खाते में किया गया। साथ ही जिले की समस्त मानदेयकर्मियों को उपहार स्वरूप छाता एवं मिठाई वितरित की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम मां सरस्वती की आराधना और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। इस दौरान राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सुश्री सिद्धि कुमारी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, अतिरिक्त कलेक्टर नगर रमेश देव, श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, किशन चौधरी, श्याम सिंह हाडला, जोगेंद्र शर्मा, रघुवीर प्रजापत सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं मौजूद रहीं।

एडीआर सेंटर में हिट एण्ड रन के संबंध में मीटिंग का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना-2022 की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, उपाधीक्षक यातायात पिंटू कुमार के साथ जिले में गत वर्ष में पुलिस थानों में हिट एण्ड रन के दर्ज मामलों एवं पुलिस थाने से दावा जांच अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) को प्रेषित प्रार्थना पत्रों पर मुआवजा प्रदान करने के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपाधीक्षक यातायात सवाई माधोपुर पिन्टू कुमार को जिले के समस्त पुलिस थानों में वर्ष 2023 से 2025 तक के शेष रहे हिट एण्ड रन के समस्त प्रकरणों में आवेदन भरवाकर दावा जांच अधिकारी को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही दावा जांच अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) संजय शर्मा को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

राजस्थान किसान आयोग का कृषक संवाद आयोजित

-किसानों के प्रत्येक सुझाव पर गंभीरता से होगा काम

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान किसान आयोग द्वारा जिला स्तरीय कृषक संवाद कार्यक्रम मंगलवार को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित हुआ। इससे पूर्व जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक विश्वविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र में आयोजित हुई। कृषक संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी थे। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं और आवश्यकताओं को जानने, सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देने तथा किसानों के फीडबैक के अनुसार भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी किसानों को उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयोग द्वारा यह संवाद किए जा रहे हैं। अब तक 12-13 जिलों में यह संवाद हुए हैं। उन्होंने कहा कि संवाद के दौरान किसानों द्वारा प्राप्त प्रत्येक सुझाव पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा। केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार कृषि और कृषक कल्याण के लिए पूर्णतया कृत संकल्प है। चौधरी ने कहा कि किसानों के लिए बिजली और सिंचाई पानी की उपलब्धता, फूड प्रोसेसिंग और विपणन के साथ उत्पादन का उचित मूल्य मिले, इसके लिए सरकार द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' की अवधारणा के साथ काम करने की जरूरत है। श्री चौधरी ने कहा कि एक समय राजस्थान के धोरों पर सिर्फ मोठ, बाजरा और मूंग जैसी परम्परागत फसलें होती थी, आज किसानों के प्रयासों से मूंगफली और तिलहनी फसलें हो रही हैं। उन्होंने बीकानेर के कृषि परिदृश्य में मूंगफली उत्पादन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। क्षेत्र में बढ़ रहे खजूर, अनार फल बगीचा क्षेत्रफल को भी आने वाले समय की मांग बताया। किसानों को उन्नत उद्यानिकी अपनाने के लिए प्रेरित किया। संरक्षित खेती कार्यक्रम के तहत पॉली हाउस को भी आज की आवश्यकता बताया। किसान आयोग अध्यक्ष ने कहा कि आज के दौर में खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन और मुर्गी पालन जैसे प्रकल्पों को अपनाना जरूरी है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वप्न है कि भारत, दुनिया का सबसे बड़ा खाद्यान्न, दूध एवं फल वितरक देश बनें। उन्होंने 'लोकल के लिए वोकल' बनने का आह्वान किया और कहा कि स्वदेशी उत्पादों का अपनाएं और स्वदेशी को प्रेरित करें, जिससे देश का और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत कानाखेड़ी में लगाई रात्रि चौपाल

-अधिकारियों को दिए आमजन की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिले की श्रीनगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत कानाखेड़ी में मंगलवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल आयोजित हुई। ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भावना के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान 21 प्रकरण आए। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याओं के परिवाद दिए गए। इनमें ग्राम में नाला बनाने के पश्चात इसको आगे नहीं जोड़ने से ग्राम में जल भराव की समस्या, ग्राम कानाखेड़ी से बीर चौराहा तक सड़क का डामरीकरण, विद्त विभाग के लाइनमैन का कार्यालय समय में अनुपस्थिति, खेल मैदान में ट्रैक की मरम्मत कराने, चरागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने, सड़क निर्माण, नामांतरण करने, अतिक्रमण हटाने सहित अन्य परिवाद दिए गए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर उक्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन की समस्याओं को जल्द से जल्द हल किया जाए। जनसुनवाई के साथ-साथ रात्रि चौपाल में आने वाले सभी प्रकरणों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए संबंधित पीड़ित को राहत दिलवाना सुनिश्चित किया जाए। रात्रि चौपाल में उपखंड अधिकारी देवी लाल यादव, तहसीलदार ममता यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा, सरपंच मंजू देवी, ब्लॉक विकास अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक गोविंद नारायण शर्मा, जिला रसद अधिकारी नीरज जैन, पटवारी गौरव सैन सहित अन्य विभागीय अधिकारी कार्मिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बहनों का सुरक्षा सम्मान जिला स्तरीय कार्यक्रम में हुआ आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। बहनों का सुरक्षा सम्मान कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों का जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री संग रक्षाबन्धन का मुख्य कार्यक्रम जयपुर में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की कलाई पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मंजू वाघमार एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने रक्षा सूत्र बांधे और उपहार पाए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि सरकार बहनों की सुरक्षा और सम्मान के लिए तत्पर है। यह हमारी संस्कृति है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। इसका सीधा प्रसारण डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया। इसमें भी आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान हुआ। इस कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने आंगनबाड़ी बहनों के कार्य की सहराना की। विधायक अनिता भदेल ने कहा कि आंगनबाड़ी की बहनें प्रशासन की अंतिम कड़ी के रूप में समाज से सीधे जुड़ी रहती है। इनका बच्चों एवं महिलाओं से सम्बन्धित पोषण का महत्त्वपूर्ण कार्य है। इस कारण आमजन तक सीधी पहुंच रहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इनके कार्य के महत्त्व को समझते है। इसीलिए इनके हित के लिए निर्णय लिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इन मानदेय कर्मियों को राज्य कर्मी बनाने के लिए विकल्प दिया गया है। अब ये महिला सुपरवाईजर से लेकर सीडीपीओ तक बन रही है। इन बहनों का भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री लगातार कार्य कर रहे है। इनके मानदेय में भी लगातार वृद्धि की गई है। इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी दी गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी बहन माता यशोदा की तरह समाज के कान्हा का पोषण करती है। इस प्रकार कान्हा तैयार होने से समाज में परिवर्तन अवश्यम्भावी है। नन्द घर उसी यशोदा मैया के कार्य को साकार रूप देने का स्थल है।

'गिव-अप' अभियान का बड़ा असर: बूंदी में 70 हजार से ज्यादा लोग खाद्य सुरक्षा योजना से हटे

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'गिव-अप' अभियान ने बूंदी जिले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की हैं। अभियान के तहत, अब तक 70,686 व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले गेहूं का लाभ छोड़ चुके हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अपात्र लोगों को योजना से हटाकर अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाना है। जिला रसद अधिकारी शिवजीराम जाट ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा 1 नवम्बर 2024 से शुरू किए गए इस अभियान को मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर इसकी अवधि 31 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई हैं।

बूंदी में 43,043 ने स्वेच्छा से छोड़ा लाभ

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि बूंदी जिले में लाभ छोड़ने वाले कुल 70,686 लोगों में से 43,043 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से अपना नाम योजना से हटाया है। वहीं, 27,646 लोगों को सरकार द्वारा अनिवार्य की गई ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण योजना से हटाया गया हैं। उन्हों ने बताया कि यह अभियान केवल बूंदी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राजस्थान में प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है। राज्य स्तर पर स्वेच्छा से लाभ छोड़ने वाले लोगों के कारण सरकार पर पड़ने वाला वार्षिक 409.39 करोड़ रुपए का वित्तीय भार कम होगा।

अवने श्रीमन्नारायण के निर्देशक की अगली एक्शन फिल्म में दिखेंगे टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड के यंग एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ जल्द ही एक नई हाई-कॉन्सेप्ट एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म प्रोड्यूसर मुराद खेतानी और अवने श्रीमन्नारायण जैसी चर्चित कन्नड़ फिल्म बना चुके डायरेक्टर सचिन रवि की अगली पेशकश होगी। टाइगर इस फिल्म की शूटिंग इसी साल अक्टूबर से शुरू करेंगे, जो करीब 45 दिनों तक चलेगी। सूत्रों के मुताबिक, टाइगर लंबे समय से एक अलग फॉर्मेट में एक्शन फिल्म की तलाश में थे। ऐसे में मुराद खेतानी और सचिन रवि ने उन्हें एक ऐसा आइडिया सुनाया, जिसने टाइगर को काफी प्रभावित किया।

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम जुड़ेगी

यह फिल्म न सिर्फ एक्शन से भरपूर होगी, बल्कि इसका कॉन्सेप्ट भी काफी यूनिक और नया होगा। फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम को इस प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा है। वहीं डायलॉग्स की जिम्मेदारी जवान और बॉर्डर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े लेखक सुमित अरोड़ा संभाल रहे हैं। यह फिल्म 2026 में बड़े परदे पर रिलीज की जाएगी। बता दें, डायरेक्टर सचिन रवि की यह पहली हिंदी फिल्म होगी। उन्होंने इससे पहले कन्नड़ इंडस्ट्री में ऑपरेशन अलमेलम्मा, अथाडे श्रीमन्नारायण जैसी विजुअली शानदार फिल्म दी है। साथ ही बतौर एडिटर भी वो किरिक पार्टी, उलिदवरु कांडंथे और सिंपल अगी ओंध लव स्टोरी जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं।

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बेटी मालती मैरी के साथ मोतियों के शहर हैदराबाद पहुंचीं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को झलक दिखाई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में मालती के छोटे-छोटे पैर और हाथ नजर आ रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मामा और मालती। दूसरी तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं, जिस पर लिखा है, हैदराबाद, हम पहुंच गए।

प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद क्यों आई हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए यहां हैं। इस बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इतिहास और पौराणिक कथाओं का मिश्रण होगा, जिसमें प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं ने कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उम्मीद है कि फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया। इस फिल्म में उनके साथ इदरिस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स जैसे एक्टर्स हैं। प्रियंका ने इस फिल्म में एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई, जो एक हाई-प्रोफाइल मिशन के दौरान जॉन सीना और इदरिस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर काम करती हैं। प्रियंका की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही कृष 4 में दिखाई देंगी।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है।

'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

पंकज त्रिपाठी पर है महुआ मोइत्रा का क्रश; लिखे कई खत

साथ में पीना चाहती थीं कॉफी

पॉलिटिशियन महुआ मोइत्रा ने अपने एक कबूलनामे से लोगों को हैरान कर दिया है। महुआ मोइत्रा पार्लियामेंट में बेबाक भाषण और बहस के लिए जानी जाती हैं। महुआ का यह कबूलनामा उनकी सार्वजनिक छवि से थोड़ा अलग है। उन्होंने कबूल किया है कि उनका अभिनेता पंकज त्रिपाठी पर क्रश है। बात करते हुए महुआ ने बॉलीवुड की अपनी पसंदीदा फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा मैंने मुन्ना भाई सीरीज देखी है। इसे मैं दोबारा देखना चाहूंगी। मैंने विक्की डोनर देखी है और ये फिल्म मुझे बहुत पसंद आई। मैं पंकज त्रिपाठी से प्यार करती हूं। मैंने मिर्जापुर सीरीज देखी है। मैंने उन्हें एक खत भी लिखा था, इसका उन्होंने कभी जवाब नहीं दिया, लेकिन हां मैंने उन्हें एक खत लिखा था। वह मेरे क्रश हैं। मेरे ख्याल से वह सबसे कूल अभिनेता हैं। मुझे उनकी नकारात्मक भूमिकाएं भी अच्छी लगती हैं। मुझे वह मिर्जापुर में पसंद आए और गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी।

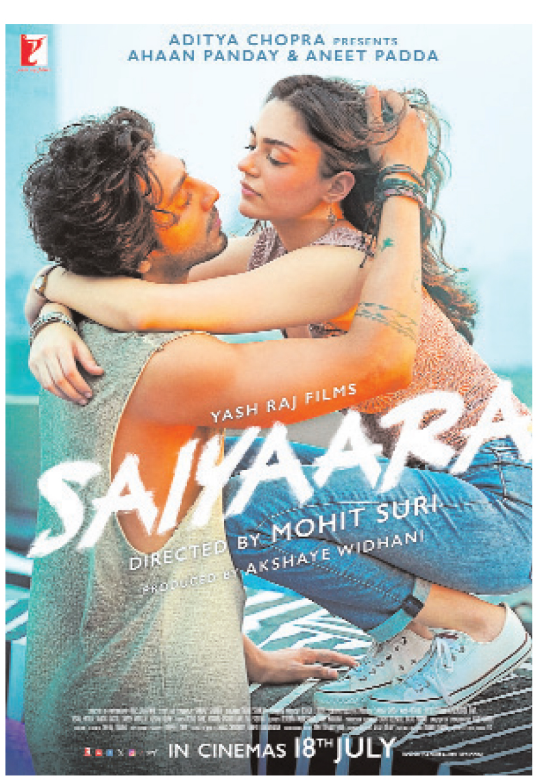

सैयारा के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि, 300 करोड़ी क्लब में हुई एंट्री

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा ने 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ले ली है। यह कारनामा फिल्म ने आज सोमवार को 18वें दिन कर दिखाया है। फिल्म विदेशों में भी धमाल कर रही है और वर्ल्डवाइड यह 400 करोड़ी क्लब का हिस्सा बन चुकी है। वहीं, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह 300 करोड़ी फिल्मों वाली लिस्ट में नाम दर्ज करा चुकी है। फिल्म सैयारा ने कल रविवार को 17वें दिन आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, आज के शुरुआती आंकड़ो में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 300.11 करोड़ रुपये हो गया है।

इस मामले में 300 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली पहली फिल्म

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा 300 करोड़ी कुनबे में शामिल होने वाली ऐसी पहली फिल्म है, जिसमें नए सितारे हैं। वहीं, यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह पांचवी फिल्म है, जो 300 करोड़ी बनी है। बता दें कि इस फिल्म को यशराज फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म, मलयालम निर्देशक से मिलाया हाथ

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

अक्षरा सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट ने खींचा ध्यान

कैप्शन में झलकी टूटी भावनाओं संग जीने की हिम्मत

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक बार फिर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस पोस्ट में उन्होंने अपने भावनात्मक अनुभव को शब्दों के जरिए बयां किया और अपने फैंस को भावनाओं के तौर पर टूट जाने के बाद हिम्मत के साथ जीने के लिए प्रेरित किया। उनका यह पोस्ट इंटरनेट पर फैंस का ध्यान खींच रहा है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक ट्रेडिशनल लुक में तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह दुपट्टा फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने आत्मविश्वास के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। हालांकि, इस बार उनकी पोस्ट की सबसे खास बात रहा उसका कैप्शन, जिसमें उन्होंने लिखा, कठोर होना आसान है इस दुनिया में, पर हर बार टूटने के बाद भी कोमल दिल के साथ जीना, वह हिम्मत है। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। वहीं दूसरे फैन ने कमेंट में लिखा, आप जैसी औरतें समाज के लिए मिसाल हैं, जो टूटकर भी दूसरों के लिए दुआएं करती हैं। कुछ फैंस ने उन्हें रियल क्वीन बताया और लिखा, आप सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक फाइटर हो, आप रियल क्वीन हो। कुछ लोगों ने उनके कैप्शन को खुद की जिंदगी से जोड़ा और कमेंट्स में कहा, आपने जैसे हमारे दिल की बात कह दी। बता दें कि अक्षरा सिंह अपने निजी जिंदगी को लेकर भी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया।

पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन

रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। समाचार एजेंसी के साथ स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद ने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर बात की। जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं-नहीं, हमारे रिश्ते में छोड़ने जैसा कुछ है ही नहीं।

हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक-दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है। अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी हम गुस्से में एक-दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े। स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है।

साभार एजेंसी

वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले विकेटकीपर में धोनी टॉप पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाजों की भूमिका अब सिर्फ दस्तानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने बल्ले से भी कई बार इतिहास रचा है। जब कोई विकेटकीपर बल्लेबाज बड़ी पारी खेलता है तो वह न केवल मैच की दिशा बदलता है बल्कि कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम करता है। आइए उन विकेटकीपर बल्लेबाजों के आंकड़ों के बारे में जानते हैं जिन्होंने वनडे इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेली है।

भारतीय खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी

(183* रन बनाम श्रीलंका)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी इस सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183* रनों की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने सिर्फ 145 गेंदों का सामना किया था। उनके बल्ले से 15 चौके और 10 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 126.20 की रही थी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 298/4 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारत ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक

(178 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया)

दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक हैं। उन्होंने साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की पारी खेली थी। डिकॉक ने सिर्फ 113 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 11 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 157.52 की रही थी। कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 294/9 का स्कोर बनाया था। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

बांग्लादेश के लिटन दास

(176 रन बनाम जिम्बाब्वे)

तीसरे स्थान पर बांग्लादेश क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास हैं। उन्होंने साल 2020 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ 143 गेंदों का सामना करते हुए 176 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 8 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 123.07 की रही थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 322/3 का स्कोर बना दिया था। बांग्लादेश की टीम ने उस मैच में 123 रनों से अपने नाम किया था।

क्विंटन डिकॉक (174 रन बनाम बांग्लादेश)

इस सूची में चौथे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ही हैं। उन्होंने साल 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में 174 रन की पारी खेली थी। उन्होंने 140 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 15 चौके और 7 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट

124.28 की रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 382/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में बांग्लादेश 233 रन ही बना पाई थी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सब जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप कल से ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और

300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है। तकनीकी नियमों के तहत होगी स्पर्धा राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप से पहले इस साल के शुरू में पुरुष, महिला और जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी के तकनीकी नियमों के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें 1.5 मिनट के तीन राउंड होंगे तथा राउंड के बीच में एक मिनट का विश्राम होगा। प्रतियोगिता में 10 अंकों की स्कोरिंग प्रणाली अपनाई जाएगी।

मप्र, हरियाणा , झारखंड व ओडिशा जूनियर महिला चैम्पियनशिप में जीते

काकीनाडा। हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी हरियाणा, हॉकी झारखंड और ओडिशा हॉकी संघ ने यहां जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में मंगलवार को अपने अपने पूल मैच

जीते। पहले डिविजन ए मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी चंडीगढ को 5-0 से हराया। कृष्णा शर्मा ने दो जबकि काजल, आयुषी पटेल और अन्नु ने एक एक गोल किया। अगले मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी बंगाल को 7-1 से मात दी।हॉकी झारखंड ने हॉकी कर्नाटक को 2-0 से मात दी। ओडिशा हॉकी संघ ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 3-1 से हराया। डिविजन बी में उत्तराखंड ने पुडुच्चेरी को 11-0 से मात दी जबकि तमिलनाडु और दिल्ली ने 3-3 से ड्रॉ खेला।

भारतीय सेना एफटी ने त्रिभुवन सेना एफसी को हराया

जमशेदपुर। पी क्रिस्टोफर कामेइ के पहले हाफ में किये एकमात्र गोल की मदद से भारतीय सेना एफटी ने दस खिलाड़ियों तक सिमटी त्रिभुवन सेना एफसी को डूरंड कप फुटबॉल ग्रुप सी के मैच में 1-0 से हरा दिया। नेपाल की त्रिभुवन सेना एफसी के तीन मैचों में एक ही अंक रहा जबकि भारतीय सेना के दो मैचों में तीन अंक हैं। भारतीय सेना के लिये क्रिस्टोफर ने 21वें मिनट में गोल दागा।

सब-जूनियर राष्ट्रीय तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु। कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ

चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

शीर्ष वरीयता खिलाड़ी ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफ़ाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें ख़िताब की तलाश में हैं।

कनाडा की मबोको सेमीफाइनल में, अब मुकाबला रयबाकिना से

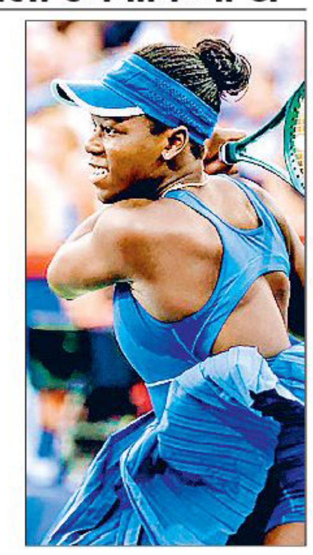

मॉन्ट्रियल। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की।

6 साल बाद मबोका सेमीफाइनल में पहुंचीं

मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मुकाबला अब कजाकिस्तानी से

मबोको का सामना अब एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रयबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

एक टेस्ट सीरीज में

जडेजा, विराट सहित इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड में बनाए सर्वाधिक 50+ रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम से 3 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसमें रविंद्र जडेजा भी शामिल रहे। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बल्लेबाजी में निरंतरता से रन बनाए। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में 500 रन का आंकड़ा पार किया। इस बीच इंग्लैंड में खेलते हुए एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक 50+ रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

रविंद्र जडेजा (6 स्कोर, 2025)

जडेजा ने सभी 5 टेस्ट में हिस्सा लिया, जिसकी 10 पारियों में 86 की शानदार औसत से 516 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाया। वह इस सीरीज में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके साथ-साथ वह किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

सुनील गावस्कर (5 स्कोर, 1979)

पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 1979 में इंग्लैंड के दौरे पर जोरदार प्रदर्शन किया था। पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 77.42 की औसत के साथ 542 रन बनाए थे। उन्होंने एक दोहरा शतक (221) लगाने के साथ-साथ 4 अर्धशतक लगाए थे। उन्होंने उस इंग्लैंड दौरे पर 55 चौके लगाए। हालांकि, वह कोई छक्का नहीं लगा सके थे। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 400 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका था।

विराट कोहली (5 स्कोर, 2018)

इंग्लैंड ने 2018 में अपने घर पर खेलते हुए भारत को 4-1 से हराया था। भले ही उस सीरीज में भारतीय टीम को शिकस्त मिली थी, लेकिन विराट कोहली ने बल्लेबाजी में अलग स्तर का खेल दिखाया था। उन्होंने 10 पारियों में 59.30 की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। कोहली ने 149 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ उस सीरीज में 3 अर्धशतक और 2 शतक लगाए थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वालों में मुथैया नंबर वन पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाना किसी भी गेंदबाज के लिए उत्कृष्ट फॉर्म, फिटनेस और निरंतरता का प्रतीक होता है। जब एक गेंदबाज पूरे साल सभी प्रारूप में विपक्षी बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन जाता है तब वह आंकड़ों में भी अपना दबदबा दर्ज करता है। ऐसे में आइए जानते हैं उन घातक गेंदबाजों के बारे में जिन्होंने एक साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट चटकाकर क्रिकेट इतिहास में अपनी अलग पहचान बनाई।

मुथैया मुरलीधरन (136 विकेट, 2001)

इस सूची में पहले स्थान पर श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन हैं। उन्होंने साल 2001 में 45 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान उन्होंने 1089.5 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने 245 मेडन ओवर के साथ 19.98 की औसत से उस साल 136 विकेट चटकाए थे।

(128 विकेट, 2006)

दूसरे स्थान पर भी मुरलीधरन ही हैं। उन्होंने साल 2006 में 40 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और 854.2 ओवर में 147 मेडन ओवर थे। वह 128 विकेट लेने में सफल रहे थे।

शेन वॉर्न (120 विकेट, 1994)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व महान गेंदबाज शेन वॉर्न इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1994 में 39 मुकाबले खेले थे और इस दौरान 902.2 ओवर गेंदबाजी की थी। वॉर्न ने 230 मेडन ओवर के साथ 120 विकेट चटकाए थे। उनकी इकॉनमी रेट 3.14 की रही थी। उन्होंने 9 बार 5 विकेट हॉल और 5 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8/71 का रहा था।

ग्लेन मैक्ग्रा (119 विकेट, 1999)

कंगारू टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1999 में 41 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान मैक्ग्रा ने 802.2 ओवर गेंदबाजी की थी। 187 मेडन ओवर के साथ उन्होंने 20.23 की औसत से 119 विकेट लिए थे। इस खिलाड़ी ने 6 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए थे और 1 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिया था।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स

अर्जुन एरिगेसी को गुजराती और गिरि से मिलेगी कड़ी चुनौती

चेन्नई। भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी को सोमवार 11 अगस्त से शुरू हो रहे चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में नीदरलैंड के अनीश गिरि और अपने हमवतन विदित गुजराती से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस टूर्नामेंट में विजेता को एक करोड़ रूपये मिलेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जायेंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे।

ये अन्य खिलाड़ी भी लेंगे भाग

इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिये अहम होंगे। टूर्नामेंट में निहाल सरीन और जर्मनी के विंसेंट केमेर जैसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। चैलेंजर्स वर्ग में डी हरिका , आर वैशाली, हर्षवर्धन जीबी , अभिमन्यु पुराणिक , ग्रैंडमास्टर अधिबान भास्करन भी हिस्सा लेंगे।

वेस्टइंडीज-पाक के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 8 से, रिजवान संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी ▶▶| त्रिनिदाद

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने हाल ही में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ सम्पन्न हुई टी-20 सीरीज को 2-1 से जीतने में सफलता हासिल की थी। टी-20 सीरीज में पाकिस्तान ने पहला और तीसरा मैच जीता, जबकि दूसरा मुकाबला मेजबान टीम ने जीता था। अब दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त से हो जाएगी। अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है। इस सीरीज के लिए दोनों टीमें, शेड्यूल और अन्य अहम जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

CRICKET WEST INDIES | PCB Pakistan Cricket Board

रिजवान करेंगे पाकिस्तान की कप्तानी

मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। हसन नवाज वनडे टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इनके अलावा बाबर आजम और शाहीन अफरीदी भी वनडे टीम में खेलते दिखेंगे। ये खिलाड़ी टी-20 सीरीज में नहीं खेले थे।

ऐसा है वनडे सीरीज का शेड्यूल

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त को होने वाले पहले मुकाबले से हो जाएगी। इसके बाद सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 अगस्त को और तीसरा मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। ये तीनों वनडे मैच त्रिनिडाड के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय समयानुसार पहला वनडे रात 11:30 बजे से और आखिरी 2 वनडे मैच शाम 7 बजे से खेले जाएंगे।अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है।

वेस्टइंडीज का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों देशों की भिड़ंत में वेस्टइंडीज ने ज्यादा मैच जीते हैं। अब तक दोनों टीमें वनडे प्रारूप में कुल 137 मैच में आपस में भिड़ी थी, जिसमें से वेस्टइंडीज ने 71 मैच जीते थे, जबकि पाकिस्तान ने 63 मुकाबले अपने नाम किए थे। इस बीच 3 मैच टाई भी रहे थे।

एएफसी अंडर-17 एशिया कप फुटबॉल क्वालीफायर

एशियाई कप 2026 के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत 22 से 30 नवंबर तब होने वाले एएफसी अंडर-17 एशिया कप फुटबॉल क्वालीफायर की मेजबानी करने वाले सात मेजबानों में शामिल है। अहमदाबाद के 'द एरेना' में सभी मैचों का आयोजन किया जाएगा। क्वालीफायर के ड्रॉ सात अगस्त को होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, ''एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 क्वालीफायर के मेजबान देशों में शामिल होना भारत के लिए बेहद गर्व की बात है और अहमदाबाद में आयोजन को लेकर मैं काफी खुश हूं।

AFC U17 ASIAN CUP™ QUALIFIERS

टीमों को 6 पॉट में किया गया है विभाजित

चौबे ने बताया कि 6 क्वालीफायर में भाग लेने वाली 38 टीम को वरीयता और पॉट आवंटन सिद्धांत के आधार पर छह पॉट में विभाजित किया गया है जो पिछले तीन टूर्नामेंट (2025, 2023 और 2018) में टीम के प्रदर्शन के आधार पर है। भारत पॉट दो में है। ड्रॉ के उद्देश्य से उसे एक अतिरिक्त मेजबान पॉट में रखा जाएगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी मेजबान अलग-अलग समूहों में हों। चीन, वियतनाम, थाईलैंड, म्यांमार, किर्गिस्तान और जोर्डन अन्य छह मेजबान हैं जिन्हें भारत के समूह में नहीं रखा जा सकता।

38 देशों की टीमें ले रहीं भाग

क्वालीफायर में हिस्सा ले रहे 38 देशों को सात ग्रुप (छह टीम के तीन ग्रुप, पांच टीम के चार ग्रुप) में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप का विजेता एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 के लिए क्वालीफाई करेगा। फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर 2025 में खेलने वाली नौ टीम पहले ही सऊदी अरब में होने वाले टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश कर चुकी हैं।

2026 क्वालीफायर ड्रॉ के लिए पॉट

पॉट 1 : ऑस्ट्रेलिया, यमन, ईरान, ओमान, थाईलैंड।

पॉट 2: अफगानिस्तान, मलेशिया, इराक, बांग्लादेश, लाओस, कुवैत।

पॉट 3: सिंगापुर, बहरीन, फिलिपींस, तुर्कमेनिस्तान, फलस्तीन।

पॉट 4: सीरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, हांगकांग, चीनी ताइपे, ब्रुनेई दारुस्सलाम।

पॉट 5: नेपाल, उत्तरी मारियाना द्वीप, गुआम, मालदीव, तिमोर-लेस्ते, लेबनान।

पॉट 6 : मकाऊ, श्रीलंका, पाकिस्तान।

मेजबान पॉटः चीन, वियतनाम, थाईलैंड, भारत, म्यांमार, किर्गिस्तान और जोर्डन।

हिमाचल के किन्नौर में बादल फटने से हाहाकार: कैलाश यात्रा रोकी गई, ITBP ने जिपलाइन से बचाए 413 श्रद्धालु

-500 से ज़्यादा सड़कें बंद आवाजाही पर रोक

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश का किन्नौर ज़िला एक बार फिर प्रकृति के रौद्र रूप का गवाह बना, जब सोमवार रात भारी बारिश के चलते अचानक बादल फटने की घटना सामने आई। इस आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को प्रभावित किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय महत्व की श्रीखंड महादेव कैलाश यात्रा को भी बीच में रोकना पड़ा। तेज़ बारिश, भूस्खलन और सड़कों के टूटने से हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। किन्नौर ज़िले के चितकुल, सांगला, पूह और कल्पा क्षेत्र में बादल फटने से नदियों और नालों में अचानक बाढ़ आ गई। तेज़ बहाव ने पुलों, सड़कों और वाहनों को अपने साथ बहा दिया, जिससे संपर्क मार्ग पूरी तरह ठप हो गए।

ITBP का साहसिक बचाव अभियान

इस आपदा में सबसे उल्लेखनीय भूमिका भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) ने निभाई। उन्होंने अपने अदम्य साहस और त्वरित कार्रवाई से जान जोखिम में डालकर 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने में सफलता पाई। श्रद्धालु श्रीखंड महादेव यात्रा के दौरान अचानक फंसे, जब रास्ता धंस गया और चारों ओर पानी व कीचड़ का सैलाब आ गया। ITBP की टीमों ने जिपलाइन और रस्सियों की सहायता से तीर्थयात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया। यह रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि पहाड़ों में तेज़ बारिश के साथ-साथ चट्टानों के गिरने और सड़कें टूटने का ख़तरा बना हुआ था।

श्रीखंड महादेव यात्रा पर रोक

प्रशासन ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए श्रीखंड महादेव यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह यात्रा हर साल सैकड़ों श्रद्धालुओं को 18,500 फीट ऊँचे पर्वत शिखर तक ले जाती है, जिसे भगवान शिव का निवास माना जाता है। लेकिन मौजूदा हालात में यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सड़कें बंद होने और कई स्थानों पर बिजली और संचार व्यवस्था टूटने के कारण तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

500 से अधिक सड़कें बंद, जनजीवन अस्त-व्यस्त

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य भर में 500 से अधिक सड़कें भूस्खलन और जलभराव के कारण बंद हो चुकी हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिले किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला और लाहौल-स्पीति हैं। मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग NH-5 भी कई स्थानों पर बंद है। सड़कों पर मलबा और पेड़ों के गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क राज्य के मुख्य हिस्सों से कट गया है।

कई पुल बह गए, बिजली और पानी की आपूर्ति प्रभावित

सड़क मार्गों के साथ-साथ कई छोटे और बड़े पुल बह गए हैं, जिससे राहत और बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। इसके अलावा, अनेक क्षेत्रों में बिजली और पेयजल आपूर्ति भी ठप हो गई है। प्रशासन और आपदा राहत टीमें युद्ध स्तर पर बहाली के प्रयासों में जुटी हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी: अगले 48 घंटे अहम

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने चेतावनी जारी की है कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले 48 घंटे तक भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इससे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अनावश्यक यात्रा से बचें, नदी-नालों के पास न जाएं और मौसम की जानकारी पर नज़र रखें। यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर ही रहने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री का बयान: राहत कार्य प्राथमिकता

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किन्नौर व अन्य प्रभावित जिलों में हो रही तबाही पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि, "हम हर ज़िले में राहत और बचाव कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता दे रहे हैं। ITBP, NDRF और लोकल पुलिस पूरी मुस्तैदी से जुटी है। प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुँचाई जा रही है।" मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से भी अतिरिक्त सहायता की मांग की है ताकि हालात जल्द सामान्य किए जा सकें।

स्थानीय लोगों का संघर्ष

इस आपदा का सबसे बड़ा असर स्थानीय ग्रामीणों पर पड़ा है, जिनके मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। कई लोग अपने खेत, पशु और आजीविका के साधन खो चुके हैं। राहत शिविरों में उन्हें अस्थायी आश्रय दिया जा रहा है, लेकिन लगातार बारिश और ठंड ने स्थिति को और कठिन बना दिया है।

कर्तव्य भवन का उद्घाटन: PM मोदी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत प्रशासनिक नवयुग की दी शुरुआत

-गृह, विदेश सहित 6 से अधिक मंत्रालयों के लिए नया केंद्रीय कार्यालय परिसर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी दिल्ली के हृदय स्थल पर 'कर्तव्य भवन' का उद्घाटन किया, जो केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का एक अहम हिस्सा है। यह भवन न केवल आधुनिक भारत की शासन प्रणाली की नई तस्वीर पेश करता है, बल्कि इसे 'न्यू इंडिया' की प्रशासनिक रीढ़ भी कहा जा रहा है।

कर्तव्य भवन: प्रशासनिक कार्यों का नया केंद्र

कर्तव्य भवन को कर्तव्य पथ के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करके तैयार किया गया है। यह नई संरचना देश के छह से अधिक बड़े मंत्रालयों के ऑफिस को एक ही स्थान पर लाकर न केवल शासन व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाएगी, बल्कि मंत्रालयों के बीच तालमेल और समन्वय को भी आसान बनाएगी। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय सहित कई अन्य विभागों के कार्यालय स्थानांतरित किए गए हैं। अब ये सभी मंत्रालय एक छत के नीचे कार्य करेंगे, जिससे फाइल मूवमेंट, मीटिंग्स, और नीति-निर्माण प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट: नव भारत का विजन

कर्तव्य भवन, सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना का प्रमुख घटक है, जिसकी परिकल्पना 2019 में की गई थी। इसका उद्देश्य था - ब्रिटिश काल की जर्जर हो चुकी इमारतों को हटाकर एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और भारतीय संस्कृति को दर्शाने वाला प्रशासनिक क्षेत्र बनाना।

इस योजना में शामिल हैं:

नई संसद भवन (जिसका उद्घाटन 2023 में हो चुका है)

प्रधानमंत्री आवास और कार्यालय

उपराष्ट्रपति निवास

कर्तव्य भवन सहित अन्य केंद्रीय सचिवालय भवन

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास

प्रधानमंत्री ने कहा, "कर्तव्य भवन केवल एक इमारत नहीं है, यह हमारे कर्तव्यबोध की पहचान है। यह स्थान आने वाले वर्षों में भारत की नीतियों और फैसलों का केंद्र बनेगा।"

भवन की खासियतें और निर्माण शैली

कर्तव्य भवन को ग्रीन बिल्डिंग स्टैंडर्ड्स के अनुसार डिजाइन किया गया है। इसमें सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम और सेंसर-आधारित लाइटिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। साथ ही इसमें विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

कुल क्षेत्रफल: लगभग 1.2 लाख वर्ग मीटर

कुल ऑफिस रूम: 1200+

कॉन्फ्रेंस हॉल, प्रेस वार्ता कक्ष, डिजिटल वॉर रूम की सुविधा

कर्मचारी क्षमता: लगभग 10,000 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी

पुराने भवनों से राहत

अब तक विभिन्न मंत्रालयों के दफ्तर राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में बिखरे हुए थे, जिससे यातायात का दबाव, समय की बर्बादी, और भारी किराया खर्च जैसी समस्याएं सामने आती थीं। सरकार के अनुसार, नई व्यवस्था से हर वर्ष करीब 1000 करोड़ रुपए का किराया खर्च बचाया जा सकेगा, जो अब तक निजी भवनों को भुगतान किया जाता था।

राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिक्रिया

भाजपा नेताओं ने इस उद्घाटन को "मॉडर्न इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धि" बताया, वहीं विपक्ष के कुछ नेताओं ने इसे "अनावश्यक खर्च" बताया। हालांकि, प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक दीर्घकालिक निवेश है जो आने वाले वर्षों में प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देगा। पूर्व कैबिनेट सचिव बी.एन. प्रसाद ने कहा, "कर्तव्य भवन, शासन प्रणाली को गति देगा। एक ही परिसर में मंत्रालयों के होने से निर्णय-निर्माण तेज़ होगा।"

नागरिकों की सुविधा भी होगी बेहतर

कर्तव्य भवन में पब्लिक इंटरफेस केंद्र भी बनाया गया है, जहां आम नागरिक अपने मुद्दे लेकर सीधे संबंधित मंत्रालय से संपर्क कर सकते हैं। यह सुविधा 'डिजिटल इंडिया मिशन' के तहत एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जिससे जनता और सरकार के बीच की दूरी घटेगी। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि, "आज भारत 21वीं सदी में एक नई प्रशासनिक संरचना के साथ आगे बढ़ रहा है।

धराली त्रासदी: बादल फटने से मचा कहर, 4 की मौत, 50 से ज्यादा लापता, रेस्क्यू जारी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में स्थित धराली क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने इलाके को त्राहि-त्राहि कर दिया है। अब तक इस त्रासदी में 4 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक लोग अब भी लापता हैं, जिनमें 11 सेना के जवान भी शामिल हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन युद्धस्तर पर जारी है और 150 से अधिक लोगों को अब तक सुरक्षित निकाला जा चुका है।

क्या है मामला?

उत्तरकाशी के गंगोत्री घाटी के धराली क्षेत्र में देर रात अचानक मूसलाधार बारिश के बाद बादल फट गया। इस घटना के बाद नदी-नालों में जलस्तर तेजी से बढ़ गया और बाढ़ जैसे हालात बन गए। कई अस्थायी पुल, सड़कें और घर बह गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, सबसे अधिक नुकसान धराली और उसके आसपास के गांवों में हुआ है। आपदा के बाद कई लोग नदी किनारे या ऊंचाई वाली जगहों पर फंसे हुए थे जिन्हें रेस्क्यू टीम ने मुश्किल हालात में बाहर निकाला।

सेना और NDRF की टीमें जुटीं

त्रासदी की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने तुरंत राहत और बचाव कार्य के लिए सेना और NDRF (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की टीमें तैनात कीं। वायुसेना के हेलीकॉप्टरों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर हवाई मार्ग से राहत पहुंचाई जा सके। ITBP (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) के जवानों ने भी तेजी से मोर्चा संभाला और ज़िपलाइन के ज़रिए नदी पार फंसे हुए लोगों को बचाया।

तीर्थयात्री भी फंसे

गंगोत्री धाम की ओर जाने वाले सैकड़ों तीर्थयात्रियों का भी इस आपदा में सफर बाधित हुआ। प्रशासन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया है और सभी यात्रियों से अपील की गई है कि वह सुरक्षित स्थानों पर रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। यात्रियों को भोजन और प्राथमिक चिकित्सा भी राहत शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही है।

एक शव और मिला, मरने वालों की संख्या हुई 4

ताजा जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह एक और शव मलबे से बरामद किया गया जिससे मरने वालों की कुल संख्या 4 हो गई है। लापता लोगों की तलाश के लिए स्निफर डॉग्स, ड्रोन कैमरों और मैनुअल सर्च अभियान चलाया जा रहा है। खराब मौसम और तेज बहाव राहत कार्यों में बाधा बना हुआ है लेकिन टीमें लगातार कोशिश कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने की स्थिति की समीक्षा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख जताते हुए बचाव कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "जनजीवन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। लापता लोगों की तलाश और प्रभावितों की मदद के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सक्रिय है।"

भविष्य को लेकर चिंताएं

धराली त्रासदी ने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्रों की भौगोलिक संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन के असर को उजागर कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक निर्माण, जंगलों की कटाई और जलवायु असंतुलन की वजह से ऐसे हादसों की आशंका बढ़ गई है।

ट्रम्प की धमकी से डरे 100 से ज्यादा देश: भारत समेत 5 देश नहीं झुके

-अब पाबंदियों से निपटने की रणनीति पर काम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान अमेरिका की व्यापार नीति "अमेरिका फर्स्ट" के नाम पर बेहद आक्रामक रही। उन्होंने न केवल चीन पर भारी टैरिफ लगाए, बल्कि यूरोप, कनाडा, मैक्सिको, जापान जैसे अपने पारंपरिक सहयोगियों तक को नहीं बख्शा। 2018-2020 के बीच ट्रम्प ने खुलेआम व्यापारिक धमकियाँ दीं – "जो देश हमारे साथ नहीं, वो हमारे खिलाफ हैं।" इस नीति के तहत अमेरिका ने कई देशों पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए, शुल्क बढ़ाए और धमकी दी कि जो देश उनके मुताबिक नहीं चलेंगे, उन्हें अमेरिकी बाज़ार से बाहर किया जाएगा। इस दबाव के आगे 100 से अधिक देशों ने अमेरिका से विशेष ट्रेड डील्स कीं। परंतु भारत समेत ईरान, रूस, तुर्की, ब्राज़ील और इंडोनेशिया जैसे कुछ देश झुके नहीं। इन देशों ने साफ किया कि वे राष्ट्रीय हितों और आत्मनिर्भरता से समझौता नहीं करेंगे, चाहे इसके लिए उन्हें आर्थिक पाबंदियों का सामना क्यों न करना पड़े।

अमेरिका की धमकी का असर: कौन झुका, कौन डटा?

झुके हुए देश: कनाडा, मैक्सिको, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के कई सदस्य देश ट्रम्प की धमकियों के बाद अमेरिका के साथ नई व्यापार संधियों के लिए तैयार हो गए। इन डील्स में अमेरिका को बड़े फायदे दिए गए – जैसे अमेरिकी कृषि उत्पादों को छूट, टेक कंपनियों को टैक्स छूट, या फिर रक्षा सौदों में प्राथमिकता।

नहीं झुके देश: भारत, रूस, ईरान, तुर्की और ब्राज़ील जैसे देश अपनी संप्रभु आर्थिक नीतियों पर अडिग रहे। भारत ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा, स्टील-ऐल्युमिनियम टैरिफ, GSP (Generalized System of Preferences) खत्म करने जैसी कार्रवाइयों का मुकाबला किया और आत्मनिर्भर भारत का रास्ता चुना।

भारत का रुख: आत्मसम्मान और रणनीति की मिसाल

भारत ने ट्रम्प की धमकियों को गंभीरता से जरूर लिया, लेकिन उसके सामने झुकने के बजाय वैकल्पिक नीतियों पर काम किया: विविध व्यापार साझेदारियाँ: भारत ने अमेरिका पर निर्भरता घटाते हुए यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, UAE, रूस, और अफ्रीकी देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत किया। आत्मनिर्भर भारत अभियान: कोविड काल में शुरू हुए इस अभियान के तहत भारत ने निर्माण, रक्षा, टेक्नोलॉजी, फार्मा जैसे क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को प्राथमिकता दी, जिससे विदेशों पर निर्भरता कम हुई। डिजिटल डिप्लोमेसी और विदेश नीति: भारत ने क्वाड, ब्रिक्स, SCO, G20 जैसे बहुपक्षीय मंचों का इस्तेमाल कर एक संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति प्रस्तुत की।

ट्रंप की धमकियों का हथियार: क्या था उसका असर?

ट्रंप ने आर्थिक प्रतिबंधों, टैरिफ युद्ध और निवेश रोकने जैसे हथियारों का इस्तेमाल किया:

चीन के साथ ट्रेड वॉर: अरबों डॉलर के टैरिफ, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई।

ईरान पर अधिकतम दबाव नीति: तेल निर्यात पूरी तरह रोकने की कोशिश।

भारत के GSP स्टेटस को खत्म करना: इससे भारत के कुछ उत्पादों पर अमेरिकी बाजार में शुल्क बढ़ा। डिफेंस डील पर रोक की धमकी: खासकर रूस से S-400 डिफेंस सिस्टम लेने पर भारत को चेतावनी दी गई। हालांकि इन सबका असर अल्पकालिक ही रहा। भारत जैसे देशों ने धीरे-धीरे रणनीतिक मोर्चे पर जवाब देना शुरू किया।

पाबंदियों से कैसे निपटते हैं 'न झुकने वाले' देश?

स्थानीय उत्पादन पर ज़ोर: इन देशों ने उत्पादन को बढ़ावा देकर आयात की निर्भरता घटाई। विकल्पी मुद्रा में व्यापार: डॉलर निर्भरता को कम करने के लिए रूस, चीन और भारत ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाया। कूटनीतिक मजबूती: अमेरिका की नीतियों का जवाब देने के लिए इन देशों ने आपसी सहयोग को मज़बूत किया — जैसे ब्रिक्स बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर बैंक आदि। टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता: रूस और चीन ने अमेरिकी टेक कंपनियों के विकल्प बनाए। भारत ने भी डिजिटल इंडिया और 5G में स्वदेशी विकल्प तलाशने शुरू किए।

क्या ट्रंप की रणनीति कारगर रही?

ट्रंप की धमकी से कई छोटे और मध्यम देश डर जरूर गए, लेकिन उन्होंने अपनी संप्रभुता के साथ समझौता किया। वहीं भारत जैसे देशों ने भले ही तत्काल लाभ गंवाए हों, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक वैश्विक पहचान को चुना। वैश्विक राजनीति में धमकियाँ, प्रतिबंध और दबाव नई बात नहीं है। लेकिन इनका सामना कैसे किया जाए, इसमें भारत समेत कुछ देशों ने मिसाल पेश की है।

तनाव में इसराइल: गाजा पर कब्जे की नेतन्याहू की योजना से भड़के सेना प्रमुख

-बंधकों की सुरक्षा पर जताई चिंता

तेल अवीव(एजेंसी)। इसराइल और हमास के बीच चल रहा संघर्ष अब निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ रहा है। जहां एक ओर इसराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा पट्टी पर पूर्ण नियंत्रण की योजना बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस फैसले को लेकर इसराइल के भीतर ही तीखा विरोध शुरू हो गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसराइली सेना के प्रमुख (IDF चीफ ऑफ स्टाफ) हर्ज़ी हालेवी खुद प्रधानमंत्री की रणनीति पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने चेताया है कि अगर गाजा पर फुल मिलिट्री ऑपरेशन किया गया तो हमास के कब्जे में मौजूद लगभग 20 इसराइली बंधकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है।

गाजा पर कब्जे की योजना क्या है?

प्रधानमंत्री नेतन्याहू की योजना के तहत इसराइली सेना गाजा सिटी के दक्षिणी हिस्से में स्थित राफा समेत बाकी बचे क्षेत्रों पर पूरी तरह से सैन्य कब्जा कर लेना चाहती है। उनका उद्देश्य है कि हमास की आखिरी ताकत को खत्म कर दिया जाए और गाजा में एक नया "सुरक्षित प्रशासनिक ढांचा" तैयार किया जाए जो इसराइल समर्थक या तटस्थ हो। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले के बाद से यह संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। अब नेतन्याहू इस युद्ध को निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश में हैं। उनका मानना है कि गाजा के "राजनीतिक व प्रशासनिक भविष्य" पर इसराइल का नियंत्रण जरूरी है ताकि हमास जैसी आतंकी ताकतें फिर से सिर न उठा सकें।

आर्मी चीफ की चेतावनी: बंधकों की जान जोखिम में

हालांकि, इसराइल डिफेंस फोर्स (IDF) के चीफ हर्ज़ी हालेवी ने प्रधानमंत्री की इस योजना का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि गाजा में जो 20 से ज्यादा इसराइली बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं, उन पर इस सैन्य अभियान का गंभीर असर पड़ेगा। हालेवी ने आशंका जताई है कि अगर इसराइली सेना ने पूरे गाजा में अटूट ताकत से हमला किया तो हो सकता है कि हमास बदले की भावना से इन बंधकों को मार डाले। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध जीतने की जिद में अगर अपने नागरिकों की जान जोखिम में डाल दी जाए तो यह नैतिक और रणनीतिक दोनों ही दृष्टियों से गलत होगा।

सेना और सरकार में टकराव गहराया

यह पहली बार नहीं है जब इसराइली राजनीतिक नेतृत्व और सैन्य अधिकारियों में मतभेद सामने आए हों। लेकिन इस बार की स्थिति असामान्य है। आमतौर पर युद्ध के समय सेना और सरकार एकजुट नजर आती है, परंतु अब सैन्य नेतृत्व सरकार की रणनीति के नैतिक पक्ष पर भी सवाल उठा रहा है। जानकारों का मानना है कि इसराइल में एक आंतरिक संघर्ष उभर रहा है—जहां एक तरफ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, वहीं दूसरी तरफ मानवाधिकार, बंधकों की सुरक्षा और वैश्विक छवि को भी लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

अमेरिका और अन्य देशों की प्रतिक्रिया

अमेरिका और यूरोपीय देश पहले ही गाजा में इसराइली कार्रवाई को लेकर चिंता जता चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी बार-बार अपील की है कि नागरिकों को नुकसान से बचाया जाए और बंधकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। ऐसे में आर्मी चीफ की यह आपत्ति अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी गूंज रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर इसराइल बंधकों को खो देता है, तो उसकी नैतिक और कूटनीतिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। यह वैश्विक मंच पर उसकी आलोचना का कारण बन सकता है।

राजनीतिक समीकरण और नेतन्याहू की जिद

बेंजामिन नेतन्याहू इस समय काफी दबाव में हैं। देश के भीतर उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है और विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि गाजा पर पूर्ण कब्जा नेतन्याहू की राजनीतिक छवि को मजबूत करने की कोशिश भी हो सकती है। उनके आलोचक कहते हैं कि वह इस युद्ध का उपयोग घरेलू राजनीति में अपना दबदबा कायम रखने के लिए कर रहे हैं। जबकि हालेवी जैसे सैन्य अधिकारी और कई बंधक परिवार इस रणनीति को न सिर्फ अमानवीय मानते हैं बल्कि असफल भी। इसराइल के कई हिस्सों में बंधकों के परिजनों ने नेतन्याहू सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि युद्ध को प्राथमिकता देने के बजाय सरकार को बंधकों को सुरक्षित वापसी के लिए बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नेतन्याहू के लिए "राजनीतिक जीत" अपने नागरिकों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण हो चुकी है। गाजा पर पूर्ण कब्जा करने की नेतन्याहू की योजना इसराइल के लिए दीर्घकालिक रूप से लाभकारी हो सकती है, लेकिन तात्कालिक रूप से यह कई मानवीय और कूटनीतिक संकटों को जन्म दे सकती है।

राहुल गांधी का हमला: ट्रम्प की धमकी पर मोदी खामोश, अडाणी जांच ने बाँध दिए हैं हाथ

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत को धमका रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी उसका मुँहतोड़ जवाब देने में असमर्थ हैं। राहुल गांधी ने इसके पीछे अमेरिकी एजेंसियों द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ जारी जांच को कारण बताया है। उनका कहना है कि मोदी सरकार अडाणी से अपने जुड़ाव के चलते अमेरिका के सामने पूरी तरह से मजबूर हो गई है।

ट्रम्प की धमकी और भारत की चुप्पी पर सवाल

राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प ने खुले तौर पर अमेरिका के हितों की बात करते हुए भारत सहित कई देशों को धमकाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि यदि देश अमेरिका के व्यापार नियमों को नहीं मानते, तो वे "भारी टैक्स" या "प्रतिबंध" लगाएंगे। ट्रम्प का यह रुख न सिर्फ आक्रामक है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता के लिए चुनौतीपूर्ण भी है। राहुल ने सवाल उठाया कि ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? क्या वे भारत के व्यापारिक हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं? उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को ट्रम्प जैसे नेताओं को सख्त जवाब देना चाहिए, लेकिन उनकी खामोशी यह बताती है कि वे कहीं न कहीं कमजोर हैं।

अडाणी जांच का 'दबाव'

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी की यह चुप्पी अचानक नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा दबाव है—अडाणी समूह पर चल रही अमेरिकी एजेंसियों की जांच। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह पर फॉरेन फंडिंग, शेल कंपनियों और टैक्स हैवेन के जरिए किए गए लेन-देन की जांच अमेरिका की संस्थाएं कर रही हैं। राहुल का कहना है कि चूंकि अडाणी और मोदी सरकार के रिश्ते जगजाहिर हैं, ऐसे में मोदी सरकार अडाणी पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई या सवाल उठाए जाने से डर रही है। यही वजह है कि मोदी अमेरिका के सामने मुखर नहीं हो पा रहे हैं।

'मोदी सरकार की विदेश नीति निजी पूंजीपतियों की गुलाम'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति अब किसी राष्ट्रहित पर नहीं, बल्कि कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के फायदे पर केंद्रित हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की अमेरिका के साथ कूटनीतिक बातचीत का एजेंडा भी अब व्यापारिक घरानों के इशारे पर तय हो रहा है। राहुल ने यह भी जोड़ा कि "जब देश को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है, तब सरकार विदेशों से निर्देश लेकर काम कर रही है। यह भारत की आत्मा पर चोट है।"

बीजेपी का पलटवार

राहुल गांधी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी को विदेश नीति और कूटनीति की समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत एक सशक्त राष्ट्र है और प्रधानमंत्री मोदी दुनिया में भारत की साख को मज़बूत कर रहे हैं। बीजेपी ने यह भी कहा कि अडाणी पर जांच की बात केवल एक "राजनीतिक भ्रम फैलाने" का तरीका है, क्योंकि कांग्रेस के पास न तो नीतिगत दृष्टि है और न ही जमीन पर कोई मुद्दा बचा है।

जनता की नज़र

राहुल गांधी के इन बयानों ने एक बार फिर से सत्ता और पूंजी के रिश्तों को चर्चा में ला दिया है। जहां एक ओर सरकार खुद को राष्ट्रवादी और जनहितैषी बताती है, वहीं विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि सरकार की प्राथमिकता आम जनता नहीं, बल्कि कुछ खास कॉर्पोरेट घराने हैं। आगामी चुनावों को देखते हुए इस तरह की बहसें और आरोप-प्रत्यारोप और भी तेज़ हो सकते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,